छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर
गुरुवार 24 सितंबर 2026
वर्ष-07, अंक-265
पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

मेधा रूपम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आकृति चौधरी हृ्र केस में नोएडा की ष्रूमेधा रूपम की याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया। याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट ने कहा था कि आकृति चौधरी को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने के लिए यह रकम नोएडा डीएम की सैलरी से वसूली जाए। मामले की सुनवाई जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस एनके सिंह की बेंच कर रही है।दरअसल, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा आकृति चौधरी को हृ्र एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया था, जिसे इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गैर–कानूनी करार दिया था।

27 मई को हुई दरोगा की परीक्षा को किया गया रद्द, छात्र कर रहे थे आंदोलन

नई दिल्ली। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग ने 27 मई 2026 को आयोजित दरोगा मुख्य लिखित परीक्षा को रद्द कर दिया है। परीक्षा में धांधली और पेपर लीक के गंभीर आरोपों को लेकर अभ्यर्थियों के जारी आंदोलन के बीच यह फैसला आया है।मुख्य लिखित परीक्षा 27 मई 2026 को दो पालियों में आयोजित की थी। अब जल्द ही परीक्षा की नई तिथि की घोषणा की जाएगी।

बिहार दरोगा भर्ती के लिए 1,799 पदों पर आवेदन जारी किया था, जिसमें कुल 10,36,702 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसके लिए प्रारंभिक परीक्षा 18 और 19 जनवरी को और27 मई 2026 को मुख्य परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई थी।

बीएल संतोष से सीएम योगी तक कार्यकर्ताओं को बार-बार क्या समझाना पड़ रहा है

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लगातार प्रदेश के अलग–अलग हिस्सों में बैठकें कर रहा है। राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष से लेकर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े और अब राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन तक कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मेरठ में कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और उन्हें राष्ट्र प्रथम के साथ संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया।कल मेरठ में सीएम योगी ने कहा कि वह ये न सोचें कि पार्टी ने उन्हें क्या दिया बल्कि ये सोचें कि वह देश के लिए क्या कर रहे हैं। इससे पहले बीएल संतोष ने लखनऊ में कहा था ।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अर्नब बना,ओडिशा तट से टकराएगा

दिल्ली। ओडिशा में चक्रवात अर्नब का असर दिखाई देने लगा है। तटीय शहर गजापति में सुबह से ही बारिश हो रही है।बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अर्नब पिछले 6 घंटे में 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा है। बुधवार सुबह 5ः30 बजे यह आंध्र प्रदेश के कलिंगपट्टनम से करीब 70 किमी दूर समुद्र में था। चक्रवात रात तक ओडिशा के कलिंगपट्टनम तट से टकरा सकता है।मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट में आज भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, पूरे बिहार में आज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राज्य के 38 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।राजस्थान में बारिश रुकने के बाद गर्मी बढ़ गई है।

आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को भी दे रहे बढ़ावा - मुख्यमंत्री

रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक, आपका रक्त किसी जरूरतमंद को दे सकता है नया जीवन : मुख्यमंत्री श्री साय

एक सत बुलेटिन ➢ रायपुर

रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाकर उसके परिवार के लिए नई उम्मीद बन सकता है। आज बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों का रक्तदान, देहदान और अंगदान के लिए आगे आना सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व की प्रेरणादायी मिसाल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन, रक्तदान महाकुंभ एवं वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर को संबोधित करते समय यह बात कही।

एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की ऐतिहासिक पहल गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं दीं और रक्तदान, देहदान एवं अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों के सेवा भाव की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा और जनकल्याण के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सेवा का यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ रहा है। रक्तदान से लेकर जरूरतमंद बच्चों के लिए पुस्तक, खिलौने और स्टेशनरी एकत्रित करने तक अनेक गतिविधियां इस अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दे रही हैं।

एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की ऐतिहासिक पहल गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन और रक्तदान महाकुंभ इसी सेवा भावना का सशक्त उदाहरण है। विशेष रूप से इतनी बड़ी संख्या में माताओं-बहनों का रक्तदान के लिए आगे आना अत्यंत प्रेरणादायी है। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की है। इस ऐतिहासिक पहल का गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

***1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की पहल ने बनाया विश्व रिकॉर्ड**

रक्तदान महाकुंभ में सेवा और जनभागीदारी की ऐतिहासिक तस्वीर देखने को मिली। आयोजन के लिए 3600 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान हेतु पंजीयन कराया था और रक्तदान के लिए 200 बेड की व्यवस्था की गई। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की पहल को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को इस उपलब्धि का प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर सभी रक्तदाताओं को बधाई देते हुए कहा कि रक्तदान का महत्व केवल आंकड़ों या रिकॉर्ड तक सीमित नहीं है। रक्त की प्रत्येक यूनिट किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन की नई आशा है। रक्तदान के लिए आगे आने वाला प्रत्येक व्यक्ति मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान देता है।

रक्तदान महाकुंभ में महिला एवं पुरुषों की बड़ी भागीदारी रही। आयोजन में लगभग 2500 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति बढ़ती जागरूकता और युवाओं तथा महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी सेवा के संस्कारों को और मजबूत करती है।

देहदान और अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च उदाहरण - मुख्यमंत्री*

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत देहदान और अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों की विशेष सराहना की। कार्यक्रम में 31 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया, जिनमें पद्मश्री एवं धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा भी शामिल रहे। प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत अब तक 103 लोगों द्वारा देहदान का संकल्प लिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के बाद भी किसी के काम आने का संकल्प मानव सेवा की अत्यंत प्रेरणादायी भावना है। देहदान चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, वहीं अंगदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने इस पुनीत संकल्प से जुड़ने वाले सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। भगवान धन्वंतरि और चरक-सुश्रुत जैसे महान आचार्यों ने हजारों वर्ष पूर्व स्वस्थ जीवन और चिकित्सा की जिस समृद्ध परंपरा को विकसित किया, वह आज भी मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

'बृजभूषण के भ्रम मुझसे मिलकर दूर हुए.', पतंजलि घी विवाद पर बोले बाबा रामदेव

एजेंसी ➢ नई दिल्ली

पतंजलि देशी घी में को लेकर लगाए गए आरोपों पर योग गुरु बाबा रामदेव ने प्रेसवार्ता कर जवाब दिया है। उन्होंने साफ कहा कि पतंजलि घी पूरी तरह से शुद्ध है, उसमें किसी भी तरह का मिलावट नहीं है। इस दौरान उन्होंने पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के आरोपों का भी खुलकर जवाब दिया।

बाबा रामदेव ने कहा, बृजभूषण ने एक तरह से सुनी सुनाई बातों पर बयान दिया है। हम किसी विवाद को बढ़ाना नहीं चाहते हैं।

हमारी आज बृजभूषण सिंह से भी मुलाकात हुई, उन्होने सारे मामले को खत्म किया। उनकी गलतफहमी दूर हो गई। हम उनका धन्यवाद करते है और इस विवाद को खत्म करते है।रामदेव ने कहा, पतंजलि का हर प्रोडेक्ट पूरी तरह शुद्ध है, उनका घी भी पूरी तरह से शुद्ध है, उसे किसी भी लैब में टेस्ट

बृजभूषण सिंह ने क्या लगाए थे आरोप?

दरअसल, पिछले दिनों बहराइच में पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह ने बाबा रामदेव पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, बाबा रामदेव ने मिलावटी सामान बनाने के मामले में सभी के सम्राट हैं। हम सभी मिलावटी और नकली सामान बनाने वालों का विरोध करते हैं।

पीएम मोदी की क्लास में कैबिनेट मिनिस्टर्स

आज काम का प्रेजेंटेशन, कल रिव्यू, फिर बनेगा रिपोर्ट कार्ड; 2021 में ऐसे 5 शिविर हुए थे

एजेंसी ➢ नई दिल्ली

मोदी सरकार के मंत्रियों का आज से 2 दिन का चिंतन शिविर शुरू हो गया है। यह 24 सितंबर तक चलेगा। इसमें पीएम मोदी कैबिनेट मिनिस्टर्स की क्लास लेंगे। सरकार के एक मंत्री ने भास्कर को बताया कि शिविर के पहले दिन हर मिनिस्टर अपने मंत्रालय के काम का प्रेजेंटेशन देगा।दूसरे दिन रिव्यू होगा। रिव्यू में ग्रेडिंग दी जाएगी। एक्सीलेंट, गुड, एवरेज, पुअर। एक्सीलेंट से लेकर गुड तक ग्रीन जोन में होंगे। एवरेज और उससे नीचे के मंत्री रेड जोन में आ जाएंगे। मतलब उन्हें संकेत मिल जाएगा की कैबिनेट विस्तार में उनकी कुर्सी खतरे में है। ये रिपोर्ट कार्ड कैबिनेट विस्तार में फेरबदल का आधार बनेगा। इसकी थीम विकसित भारत 2047 है।

2021 में मोदी ने पूरी केंद्रीय मंत्रिपरिषद के साथ कुल 5 'चिंतन शिविर' किए थे। पहला 14 सितंबर को हुआ था और अंतिम नवंबर में हुआ। हर सत्र करीब 5 घंटे चला। इसमें मंत्रियों के कामकाज, कार्यकुशलता, समय और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल, योजनाओं की निगरानी और शासन सुधार पर चर्चा हुई थी। इसके बाद नवंबर 2021 में 77 मंत्रियों को आठ समूहों में बांटकर अलग-अलग प्रशासनिक विषयों पर काम आगे बढ़ाने की कवायद भी हुई। तालमेल का फार्मेट क्या है उसके इलाके में जेन जी के मुख्य मुद्दे क्या हैं ।

रेगिस्तान से हिमालय तक भारत-अमेरिका का युद्ध अभ्यास, अपाचे से पिनाका तक दिखी सैन्य ताकत

एजेंसी ➢ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच चल रहा द्विपक्षीय मिलिट्री एक्सरसाइज युद्ध अभ्यास 2026 इस बार बड़े लेवल पर हो रहा है। राजस्थान के रेगिस्तान से लेकर उत्तराखंड के ऊंचे पहाड़ों तक, दोनों देशों के सैनिक मॉडर्न वॉर की चुनौतियों से निपटने के लिए साथ में ट्रेनिंग कर रहे हैं। इस मेगा एक्सरसाइज में मॉडर्न टेक्नोलॉजी और हथियारों का

कॉम्बिनेशन देखने को मिल रहा है।राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना के AH-64E अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर ग्राउंड सैनिकों के साथ मिलकर ऑपरेशन की ड्रिल कर रहे हैं।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का फैसला बड़ी बेंच करेगी, 2 जजों की अलग राय के बाद सुप्रीम कोर्ट का आदेश

एजेंसी ➢ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ती पर बड़ा फैसला सुनाया है। फैसले को लेकर दो जजों की अलग राय रही। अब चुनाव आयुक्तों की नियुक्ती का फैसला बड़ी बेंच करेगी। बड़ी बेंच को मामला भेजने पर जस्टिस दत्ता और जस्टिस शर्मा एकमत नहीं हैं। अब स्ट की तीन जजों की बेंच यह तय करेगी कि इस मामले की सुनवाई 5 जजों की बेंच करे या नहीं। मामला संविधान पीठ के पास भेजा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह बंटा हुआ फैसला ष्टश्वष्ट और श्वष्टद्य एक्ट की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनाया।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

आयुक्तों में असहमतियों पर बोला चुनाव आयोग- ये प्रक्रिया का हिस्सा लेकिन सभी फैसले सहमति

एजेंसी ➢ नई दिल्ली

चुनाव आयोग को लेकर 'इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के बाद विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच टकराव बढ़ गया है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर चुनाव आयोग को हाईजैक करने का आरोप लगाया। इन आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने बुधवार को प्रेस नोट जारी कर अपनी स्थिति स्पष्ट की और कहा कि असहमतियां प्रक्रिया का हिस्सा हैं लेकिन सारे फैसले सहमति से लिए गए हैं।

आंतरिक नोट्स दिखाना पूरी तस्वीर नहीं

चुनाव आयोग ने साफ किया कि तीनों चुनाव आयुक्तों में से प्रत्येक को सुझाव देने और अपनी राय रखने का अधिकार है, इसलिए आंतरिक चर्चा के दौरान सामने आई अलग–अलग राय को अंतिम फैसले से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा। आयोग ने कहा कि पिछले 10 महीनों के केवल कुछ आंतरिक नोट्स को सामने रखकर बाकी फैसलों और कामकाज को नजरअंदाज करना पूरी तस्वीर पेश नहीं करता।

चुनाव आयोग के अनुसार, पिछले एक साल में करीब 40 नई पहल और कई चुनाव सुधार किए गए हैं, इनमें पूरे देश में लागू किया गया विशेष गहन पुनरीक्षण यानी भी शामिल है। आयोग का दावा है कि ये सभी फैसले पूरे आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

त्रैमासिक परीक्षा के प्रश्नपत्र नहीं मिलने पर शिक्षकों और पालकों में नाराजगी-प्रवेश दुबे

भटगांव, छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में कक्षा 1 से 8 वीं तक की त्रैमासिक परीक्षाएं 21 सितंबर 2026 से प्रारंभ की गई है. उपलब्ध परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं की परीक्षाएं 21 से 26 सितंबर तक निर्धारित है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रवेश दुबे ने विद्यालयों में त्रैमासिक परीक्षा के लिए मुद्रित प्रश्न पत्र उपलब्ध नहीं होने का मुद्दा उठाते हुए इसे छात्रों और शिक्षकों के हित में गंभीर समस्या बताया है। वरिष्ठ कांग्रेसि नेता का कहना है कि यदि परीक्षा के लिए निर्धारित प्रश्न पत्र विद्यालयों को समय पर उपलब्ध नहीं कराया जाते हैं तो कई स्कूलों में शिक्षकों को ब्लैक बोर्ड पर प्रश्न पत्र लिखकर परीक्षा कराने जैसी वैकल्पिक व्यस्था करनी पड़ सकती है। इससे परीक्षा के निर्धारित समय का एक हिस्सा प्रश्न लिखने और उतारने में खर्च होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों के लिए ब्लैक बोर्ड से प्रश्न उतरना अतिरिक्त कठिनाई पैदा कर सकता है. वहीं एक ही शिक्षक को अलग अलग कक्षाओं के प्रश्न लिखने पढ़ने की स्थिति में परीक्षा संचालन और नियमित शैक्षणिक गतिविधिया भी प्रभावित हो सकती है।

परीक्षा के लिए आवश्यक प्रश्न पत्र की व्यस्था समय पर होनी चाहिए एक तरफ शासन गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की बात करता है दूसरी तरफ परीक्षा के समय तक प्रश्न पत्र उपलब्ध नहीं होना चिंता का विषय है.

धुएं से भरी रसोई से स्वच्छ चूल्हे तक पहुंची शारदा बाई की जिंदगी

सारंगढ़-बिलाईगढ, । रंजर पारा, सारंगढ़ की श्रीमती शारदा बाई सारथी के लिए रसोई में आया बदलाव उनके पूरे परिवार की दिनचर्या में बदलाव लेकर आया। पहले खाना पकाने के लिए लकड़ी, उपले और दूसरे पारंपरिक ईंधन पर निर्भर रहना पड़ता था। चूल्हे से उठता धुआं आंखों और सांस के लिए परेशानी का कारण बनता था, वहीं रोजाना ईंधन जुटाने में समय और मेहनत भी लगती थी। अब प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना के तहत मिले एलपीजी कनेक्शन ने उनकी रसोई को धुएं से राहत और खाना पकाने को अधिक सुविधाजनक बना दिया है।

शारदा बाई अनुसूचित जाति वर्ग से आती हैं और उनका परिवार खेती पर निर्भर है। चार सदस्यों के परिवार के लिए रसोई की जरूरतें पूरी करना पारंपरिक चूल्हे के सहारे आसान नहीं था। उज्ज्वला योजना के तहत उन्हें गैस कनेक्शन के साथ गैस चूल्हा और पहला भरा हुआ सिलेंडर मिला। इसके बाद खाना पकाने के लिए लकड़ी और उपले जुटाने की निर्भरता कम हुई और रसोई के काम में समय भी बचने लगा। योजना के अंतर्गत 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 367 रुपये की सब्सिडी सीधे बैंक खाते में अंतरित की जाती है। इससे गैस रिफिल कराने में भी हितग्राहियों को आर्थिक सहायता मिलती है। शारदा बाई के लिए यह सुविधा केवल ईंधन बदलने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इससे रसोई का वातावरण स्वच्छ हुआ और रोजमर्रा के घरेलू काम में सुविधा बढ़ी।सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आ रही 'बदलाव की कहानियों' में शारदा बाई की कहानी इस बात को सामने लाती है कि किसी योजना का लाभ जब परिवार की रोजमर्रा की जरूरत से जुड़ता है, तो उसका असर सीधे जीवनशैली में दिखाई देता है। धुएं वाले चूल्हे से एलपीजी तक का यह सफर शारदा बाई के लिए स्वच्छ रसोई और सुविधाजनक जीवन की ओर बढ़ता एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

राजनैतिक दलों की मौजूदगी में ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

वेयरहाउस के सुरक्षा मानकों को अपडेट करने के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मैनुअल ऑन इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवीपैट के प्रावधानों के तहत जिले में ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक परीक्षण एवं निरीक्षण किया गया।

निर्धारित प्रक्रिया के तहत 23 सितंबर 2026 को दोपहर 12 बजे ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस खोला गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिदार, डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा खलखो एवं स्वप्निल वर्मा की उपस्थिति में वेयरहाउस का आंतरिक परीक्षण एवं निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की कार्यवाही पूर्ण होने के बाद दोपहर 1 बजे वेयरहाउस को नियमानुसार बंद किया गया।

निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में ईवीएम एवं वीवीपैट के सुरक्षित भंडारण तथा निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान वेयरहाउस के सुरक्षा मानकों को आवश्यकतानुसार अपडेट करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए, ताकि निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा व्यवस्था को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखा जा सके।

कार्यवाही के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इंडियन नेशनल कांग्रेस की ओर से सौरभ मिश्रा एवं भूवेश जैन, भारतीय जनता पार्टी की ओर से आशीष कुमार सिंह एवं संजय राय तथा आम आदमी पार्टी की ओर से विशेष सोनी एवं रमा शंकर मिश्रा उपस्थित रहे।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक परीक्षण एवं निरीक्षण निर्वाचन प्रक्रिया में सुरक्षा एवं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जाता है। निरीक्षण उपरांत नियमानुसार प्रतिवेदन प्रेषित किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिए मार्गदर्शन, लक्ष्य तय कर नियमित अध्ययन पर दिया जोर

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान÷ के तहत युवाओं को शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर दिशा देने के उद्देश्य से शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (क्क्ष्ह्यष्ट), छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (ष्टत्नक्क्ष्ह्यष्ट) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, अध्ययन की रणनीति, समय प्रबंधन और लक्ष्य निर्धारण के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम लिंगराज सिदार, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा, सुश्री नेहा खलखो एवं डॉ. प्रशांत अग्रवाल महाविद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. श्राबनी चक्रवर्ती सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लक्ष्य बड़ा हो तो तैयारी भी हो योजनाबद्ध

कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि सही दिशा, स्पष्ट लक्ष्य और योजनाबद्ध तैयारी भी महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप कैरियर का चयन करने तथा निर्धारित लक्ष्य के लिए चरणबद्ध अध्ययन योजना तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया।

विशेषज्ञों ने क्क्ष्ह्यष्ट एवं ष्टत्नक्क्ष्ह्यष्ट जैसी परीक्षाओं की प्रकृति, प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार सहित चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। साथ ही

सामान्य अध्ययन, समसामयिक घटनाक्रम, भाषा, तर्कशक्ति एवं विषयवार तैयारी के महत्व को समझाया गया।

पढ़ाई के साथ करें समय प्रबंधन

विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के लिए दैनिक समय-सारणी बनाने, विषयों के अनुसार समय निर्धारित करने तथा कठिन विषयों पर अतिरिक्त ध्यान देने की सलाह दी गई। परीक्षा की तैयारी के दौरान नोट्स बनाने, पुराने प्रश्नपत्र हल करने, मॉक टेस्ट देने और नियमित पुनरावृत्ति को अध्ययन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी लंबी प्रक्रिया हो सकती है। ऐसे में असफलता या शुरुआती कठिनाइयों से निराश होने के बजाय अपनी कमियों की पहचान कर रणनीति में आवश्यक बदलाव करते हुए निरंतर प्रयास जारी रखना चाहिए।

अधिकारी बने प्रेरणा, साझा किए अनुभव

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कैरियर निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहने, समय का सदुपयोग करने तथा पढ़ाई के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों को बताया गया कि शासकीय सेवाओं के साथ शिक्षा, बैंकिंग, रक्षा, पुलिस, न्यायिक सेवा, शिक्षण, तकनीकी एवं अन्य क्षेत्रों में भी करियर की व्यापक संभावनाएं हैं। अपनी रुचि, योग्यता और लक्ष्य के अनुरूप क्षेत्र का चयन कर उसके लिए आवश्यक परीक्षा एवं पात्रता की जानकारी जुटाकर तैयारी शुरू करने की सलाह दी गई।

BDF के आउटलेट के पंजीयन और बोरपदर फैक्ट्री से फैल रही दुर्गंध की जांच की मांग, 8 वर्षों से परेशानी झेल रहे ग्रामीणों, संयुक्त एवं वैज्ञानिक जांच की मांग- अविनाश सिंग गौतम

एक सत बुलेटिन ➤ जगदलपुर

बोरपदर क्षेत्र में संचालित क्क्ष्छस्न की गतिविधियों एवं फैक्ट्री से कथित रूप से उत्पन्न हो रही दुर्गंध को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में लंबे समय से नाराजगी और परेशानी बनी हुई है। ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की।अविनाश गौतम ने बताया कि क्क्ष्छस्न द्वारा संचालित कुछ आउटलेट के पंजीयन, लाइसेंस एवं आवश्यक अनुज्ञप्तियों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। संबंधित विभागों के अभिलेखों की जांच कर यह सुनिश्चित करने की मांग की ,कि सभी आउटलेट नियमानुसार पंजीकृत एवं अधिकृत हैं अथवा नहीं।वहीं, बोरपदर स्थित क्क्ष्छस्न फैक्ट्री से लगातार दुर्गंध उत्पन्न होने की शिकायत ग्रामीणों द्वारा की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार यह समस्या पिछले लगभग 8 वर्षों से बनी हुई है तथा पूर्व में भी इस संबंध में कई बार शिकायतें की गई हैं। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है।ज्ञापन में मांग की गई है कि बोरपदर स्थित फैक्ट्री का संबंधित विभागों की संयुक्त टीम द्वारा स्थल निरीक्षण कराया जाए। साथ ही दुर्गंध एवं संभावित प्रदूषण के स्रोत की वैज्ञानिक जांच कर आवश्यकतानुसार वायु, जल एवं आसपास के पर्यावरण के नमूने लेकर अधिकृत प्रयोगशाला से परीक्षण कराया जाए।इसके अलावा फैक्ट्री में निर्मित होने वाले दूध, दुग्ध उत्पाद एवं अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग के माध्यम से गुणवत्ता एवं सुरक्षा की जांच कराने की मांग भी की गई है।ज्ञापन में यह भी मांग रखी गई है कि फैक्ट्री के संचालन से संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, खाद्य सुरक्षा विभाग, स्थानीय निकाय एवं अन्य संबंधित विभागों की अनुमतियों और अनुपालन की जांच की जाए। पिछले लगभग आठ वर्षों में ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायतों एवं उन पर हुई कार्रवाई का रिकॉर्ड मंगाकर समीक्षा करने की भी मांग की गई है।अविनाश गौतम ने कहा कि यदि जांच में किसी प्रकार का नियम उल्लंघन, प्रदूषण अथवा आवश्यक पंजीयन/अनुमतियों का अभाव पाया जाता है तो संबंधित संस्था या संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा ग्रामीणों को दुर्गंध एवं अन्य परेशानियों से स्थायी राहत दिलाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

ज्ञापन के माध्यम से निम्न बिन्दुओ पर जांच एवं कार्रवाई की लिखित जानकारी की मांग भी की गई है–

द्वारा संचालित सभी संबंधित आउटलेट के पंजीयन, लाइसेंस एवं आवश्यक अनुज्ञप्तियों की जांच कराई जाए तथा नियमों के अनुरूप दस्तावेज उपलब्ध हैं अथवा नहीं, इसकी पुष्टि की जाए

ज़ बोरपदर स्थित क्क्ष्छस्न फैक्ट्री का संबंधित विभागों की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण कराया जाए।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पद्मिनी भोई साहू ने बुधवार को जिले के ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखी ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रख-रखाव तथा निर्वाचन से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने वेयरहाउस की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली तथा निर्वाचन शाखा के अधिकारियों से आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी एवं जोगी कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया तथा ईवीएम एवं वीवीपैट से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के अवसर पर डिप्टी कलेक्टर वर्षा बंसल, निर्वाचन शाखा के अधिकारी-कर्मचारी सहित संबंधित विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर, एसपी और जिला पंचायत सीईओ सहित हजारों स्कूली बच्चों, प्रशिक्षु पुलिस जवानों और अधिकारियों ने किया सामूहिक योग

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला स्तरीय योग एवं ध्यान सत्र आयोजित

11वें आयुर्वेद दिवस पर आयुष विभाग ने किया काढ़ा वितरण, साइबर अपराध से बचाव के प्रति भी किया गया जागरूक

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को प्रातः 7 बजे सारंगढ़ के खेलभाठा मैदान में जिला स्तरीय योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धन्वंतरि के चित्र पर कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी द्वारा पुष्प अर्पित कर की गई। योग एवं ध्यान सत्र में जिला स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली

बच्चों और पुलिस विभाग के प्रशिक्षु जवानों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने एक साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। योग सत्र के दौरान ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, घुटना संचालन, कटि चालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, अर्धचक्रासन, कपालभाति और प्राणायाम सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर आयुष विभाग द्वारा 11वां आयुर्वेद दिवस भी मनाया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. शेष बहादुर यादव के मार्गदर्शन में आयुष विभाग की टीम द्वारा उपस्थित लोगों को काढ़े का

वितरण किया गया और स्वस्थ जीवन में योग एवं आयुर्वेद के महत्व की जानकारी दी गई। योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ⁼ कलेक्टर कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में डिजिटल लिटरेसी सहित जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम एवं सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों एवं जिले के नागरिकों से इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की।

कलेक्टर ने कहा कि योग स्वस्थ रहने का सरल और प्रभावी माध्यम है। नियमित योग से शारीरिक फिटनेस के साथ दिनभर ऊर्जा बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से योग को अपनी नियमित दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह किया।

न्यूज इन शॉर्ट

राम-नामी' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का सम्मान मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय: वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ के रामनामी समाज पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'राम-नामी' को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री' का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इस उपलब्धि को पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय बताया और फिल्म के निर्देशक श्री भारतबाला गणपति सहित पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि 'राम-नामी' के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा, आस्था और रामनामी समाज की जीवनशैली को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में इस प्रतिष्ठित सम्मान से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति और परंपराओं का गौरव और बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और यहां की विशिष्ट सामाजिक विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने वाली ऐसी रचनात्मक पहलें छत्तीसगढ़ की पहचान को और व्यापक बनाती हैं। यह सम्मान प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध विरासत के लिए भी गौरव का अवसर है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने 'राम-नामी' की पूरी टीम को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए पुनः बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान दो चरणों में

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने विभागवार समय-सीमा लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की, वहीं जिले में आयोजित सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान के संबंध में अधिकारियों को अवगत कराया। कलेक्टर ने कहा कि जिले के नगरीय निकायों में सेवा मेरा योगदान उत्सव का आयोजन 23 से 25 सितम्बर और 01 से 08 अक्टूबर 2026 तक दो चरणों में होना है। समस्त नगरीय निकायों में स्थानीय आवश्यकताओं एवं उपलब्ध संसाधानों के अनुरूप गतिविधियां, सेवा एवं स्वच्छता, अन्न एवं वस्त्र दान, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, कौशल दान एवं प्रशिक्षण, हरित छत्तीसगढ़ एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, रक्त दान एवं कल्याण, सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकता तथा महिला सशक्तिकरण हेतु गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे। संबंधित विभाग बेहतर कार्य योजना के साथ आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। अभियान के दौरान जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों के जरूरतमंद बच्चों के लिए खिलौना दान का पहल किया जाए। इसके लिए ऐसे परिवार जिसके यहां बच्चे बड़े हो गये हैं और खिलौने अनुपयोगी साबित हो रहे हो, उन परिवारों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में खिलौना दान कराने अपील की जाए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को इस हेतु आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। साथ ही पांच बिल्डिंग स्थित विभागीय कार्यालय में दान में प्राप्त पुराने खिलौना संग्रहित करने निर्देशित किया। इस संबंध में डीपीओ श्री पांडे ने अवगत कराया कि खिलौना दान करने वाले नागरिक उनके मोबाईल नंबर 9893943374 पर संपर्क कर कार्यालय में खिलौना दान कर सकते हैं। इसके अलावा जिले के 08 परियोजना कार्यालय क्रमशः एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-1, धमधा, पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहरी, जामगांव(एम), भिलाई-2 एवं अहिवारा में भी संबंधित परियोजना अधिकारी से संपर्क कर खिलौना दान कर सकते हैं। इन कार्यालयों में भी खिलौना संग्रह की व्यवस्था की गई है।ढ्ढह्यद्भ ऋद्गड्डस्र - गणेश विसर्जन पर राजनांदगांव में अभेद्य सुरक्षा घेरा, 800 जवान और 4 ड्रोन से होगी निगरानी रक्तदान एवं नेत्रदान भी होंगे सेवा मेरा योगदान के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, वरिष्ठ नागरिकों के लिए दन्त एवं दृष्टि जांच शिविर, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा पोषण एनिमिया संबंधी जारूकता अभियान, स्वास्थ्य एवं फिटनेस गतिविधियां तथा अंग दान एवं नेत्र दान हेतु संकल्प सेवा जागरूकता अभियान की चलाएं जाएंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएमएचओ को 02 अक्टूबर सहित अन्य महत्वपूर्ण तिथियों में मेघा स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये है।, अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार के वा सेतु शिविरों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

1 करोड़ के स्वर्ण मुकुट से सजे रायपुर के गणपति

750 ग्राम सोने-रत्नों से जड़ा, दर्शन को रात 4 बजे तक उमड़ रही भीड़

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर का गोलबाजार गणेशोत्सव इस बार भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति की ओर से भगवान गणपति का स्वर्ण श्रृंगार किया गया है। गणपति को करीब 1 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का सोने और रत्नों से जड़ा मुकुट पहनाया गया है। इस मुकुट का वजन 750 ग्राम है।गणपति के इस खास स्वर्ण श्रृंगार के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि देर रात के बाद भी दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कम नहीं होती। यहां सुबह करीब 4 बजे तक दर्शन का सिलसिला जारी रहता है।समिति के मुताबिक, गणपति को स्वर्ण मुकुट पहनाने की परंपरा 2018 से निभाई जा रही है। हर साल यहां बड़ी संख्या में नेता और जनप्रतिनिधि भी गणपति के दर्शन के लिए पहुंचते हैं

117 साल पुराना गणेशोत्सव, व्यापारी परिवारों की चौथी पीढ़ी जुड़ी

गोलबाजार शहर के पुराने गणेशोत्सव स्थलों में शामिल है। समिति के अनुसार, इस साल यहां गणपति स्थापना के 117 साल पूरे हो रहे हैं। इतने लंबे समय से चली आ रही इस परंपरा से शहर के व्यापारी परिवारों की चौथी पीढ़ी जुड़ी हुई है।समिति से जुड़े भाजपा नेता केदार गुप्ता ने बताया कि वे पिछले 37 साल से गणेशोत्सव की सेवा में लगे हैं। उनके अनुसार, पहले गोलबाजार में गणेशोत्सव के दौरान गुफाएं बनाई जाती थीं, लेकिन अब जगह कम होने के कारण गुफाओं की जगह झांकी तैयार की जाती है।

गणपति के साथ बालाजी, लक्ष्मी और पद्मावती के भी दर्शन

गोलबाजार के पंडाल में भगवान गणपति के साथ भगवान बालाजी, माता लक्ष्मी और मां पद्मावती की मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं। सुबह से लेकर देर रात तक यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रहती है।गणपति दर्शन के साथ पंडाल में होने वाले भजन भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। भजन के दौरान श्रद्धालु झूमते और डांस करते नजर आते हैं। रात बढ़ने के साथ भी श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी रहती है और सुबह करीब 4 बजे तक दर्शन का सिलसिला चलता है।

750 ग्राम सोने और रत्नों से बना है मुकुट

केदार गुप्ता ने बताया कि समिति के प्रति लोगों की आस्था काफी पुरानी है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहां गणपति बप्पा से मांगी गई मुराद पूरी होती है। उन्होंने बताया कि गणपति का मुकुट 750 ग्राम सोने और रत्नों से तैयार किया गया है।इसकी मौजूदा बाजार कीमत 1 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसी स्वर्ण मुकुट से गणपति का श्रृंगार किया गया है। को स्वर्ण मुकुट पहनाने की परंपरा जारी है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से गर्भावस्था में निशा को मिला आर्थिक संबल

पहली गर्भावस्था में मिली 5 हजार रुपये की सहायता, पोषण और स्वास्थ्य देखभाल में हुई सहूलियत

आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से योजना से जुड़ीं निशा, मातृत्व के महत्वपूर्ण समय में मिली आर्थिक राहत

निशा बोलीं-योजना की सहायता से खान-पान और स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख पाई

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा की कहानी' में जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं और परिवारों को मिल रहे सहयोग की तस्वीर सामने आ रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कतकालो की श्रीमती निशा के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मातृत्व के महत्वपूर्ण समय में आर्थिक संबल लेकर आई। पहली बार गर्भवती होने पर आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से उन्हें योजना की जानकारी मिली और कुल 5 हजार रुपये की सहायता दो किस्तों में प्राप्त हुई। निशा ने इस राशि का उपयोग खान-पान, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए किया।

आंगनबाड़ी के माध्यम से मिली योजना की जानकारी

निशा बताती हैं कि पहली गर्भावस्था के दौरान उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी मिली। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें योजना का लाभ मिला। समय पर मिली आर्थिक सहायता ने गर्भावस्था के दौरान जरूरी पोषण और स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दिया।

5 हजार रुपये की सहायता से पोषण और स्वास्थ्य का रखा ध्यान

गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक खान-पान और नियमित स्वास्थ्य देखभाल महत्वपूर्ण होती है। निशा के लिए योजना से मिली 5 हजार रुपये की सहायता इसी अवधि में उपयोगी साबित हुई। उन्होंने बताया कि आर्थिक सहायता से पौष्टिक आहार की व्यवस्था करने में सुविधा हुई और अपने स्वास्थ्य के साथ गर्भस्थ शिशु की सेहत का भी बेहतर ध्यान रख पाईं।

अपने अनुभव साझा करते हुए निशा कहती हैं, पहली बार गर्भवती होने पर मुझे आंगनबाड़ी के माध्यम से 5 हजार रुपये की सहायता दो किस्तों में मिली। इस पैसे से मेरे खान-पान में सुविधा हुई। यह सहायता मेरे और मेरे बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बहुत काम आई। गर्भवती महिलाओं के लिए यह बहुत मददगार है।

'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' के संदेश के साथ समुदाय की भागीदारी बढ़ाने का अभियान

बच्चों की थाली बनी सामूहिक जिम्मेदारी, प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण और स्वच्छता पर जोर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्य में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अंतर्गत 'बच्चों की थाली, हम सबकी जिम्मेदारी' और 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान व्यापक रूप से चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पोषण अभियान और यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को गर्म, ताजा, पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के साथ समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोस्टर एवं जागरूकता सामग्री के माध्यम से अभिभावकों और समुदाय को बताया जा रहा है कि वे बच्चों की थाली की गुणवत्ता और स्वच्छता पर नजर रखें। भोजन साफ-सफाई से तैयार हो रहा है या नहीं, उसका स्वाद एवं गुणवत्ता कैसी है, बच्चों को क्या और किस प्रकार परोसा जा रहा है, इन विषयों पर चर्चा करने के साथ आवश्यकतानुसार सुधार के सुझाव देने और उसमें सहयोग करने के लिए भी समुदाय को प्रेरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने 12 सितम्बर को राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह रथ गांव-गांव पहुंचकर माताओं, परिवारों और समुदाय को संतुलित आहार, स्वच्छता तथा बच्चों के शुरुआती विकास के प्रति जागरूक कर रहा है। इसके साथ ही विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से बच्चों के विकास की समय पर पहचान, परामर्श तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ सेवाओं से जोड़ने का कार्य भी सेवा भाव से किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की थाली से जुड़ी सामुदायिक भागीदारी

प्रदेश के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण माह के दौरान बच्चों के भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण मूल्य को बेहतर बनाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, माताओं, स्व-सहायता समूहों और समुदाय द्वारा मिलकर प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों द्वारा भोजन कम ग्रहण किए जाने की स्थिति में माताओं से चर्चा कर भोजन के स्वाद और परोसने के तरीके में आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों में स्थानीय एवं मौसमी सब्जियों, दाल और मिलेट जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करने के साथ रसोई की स्वच्छता और भोजन परोसते समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बच्चों के नियमित वजन एवं विकास की निगरानी भी की जा रही है, ताकि उनके पोषण स्तर में होने वाले बदलावों की समय पर पहचान की जा सके।

इन प्रयासों से आंगनबाड़ी केंद्रों में समुदाय की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। अब अभिभावक और ग्रामीण भी बच्चों के भोजन की गुणवत्ता, मेनू और स्वच्छता के बारे में जानकारी लेने के साथ आवश्यक सुझाव दे रहे हैं। यह पहल 'सेवा की कहानी' के रूप में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा भावना और समुदाय की जिम्मेदारी को सामने ला रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि आंगनबाड़ी प्रबंधन समितियों, पंचायतों, अभिभावकों और समुदाय को पोषण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। 9 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक चल रहे राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में रंग-बिरंगी थाली प्रदर्शन, पोषण मेला, माता-पिता की बैठकें, स्वच्छता अभियान और विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' केवल एक संदेश नहीं, बल्कि प्रदेश के हर बच्चे को स्वस्थ, सुपोषित और बेहतर भविष्य देने का सामूहिक संकल्प है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा भावना और समुदाय की सक्रिय भागीदारी से यह संकल्प धरातल पर साकार हो रहा है।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने किया कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण

छात्राओं से संवाद कर जानी समस्याएं, शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने राज्य महिला आयोग की टीम के साथ शंकर नगर, रायपुर स्थित राज्य स्तरीय पोस्ट मैट्रिक पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में रह रही छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं, आवश्यकताएं और सुझाव सुने तथा छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डॉ. ममता साहू ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई, आवासीय सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। छात्राओं द्वारा बताई गई समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निराकरण तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, ताकि वे निर्बाध रूप से अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए आगे बढ़ सकें।

निरीक्षण के दौरान राज्य महिला आयोग की ओर से श्रीमती मंजू थदानी एवं श्रीमती रश्मी तिवारी, सखी वन स्टॉप सेंटर रायपुर की संरक्षण अधिकारी श्रीमती प्रीति पांडेय सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

करमा पूजा में शामिल हुईं मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रकृति, संस्कृति और लोकपरंपराओं के संरक्षण का दिया संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े अपने गृह ग्राम बीरपुर में आयोजित प्रकृति के पावन तिहार 'करमा पूजा' में शामिल हुईं। उन्होंने ग्रामीणजनों के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं विधि-विधानपूर्वक करम देव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, शांति, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रकृति, संस्कृति और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

करमा पूजा छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और जनजीवन से गहराई से जुड़ा पारंपरिक पर्व है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सामुदायिक एकता और लोक आस्था का प्रतीक माना जाता है। करम देव की पूजा के साथ ग्रामीणजन सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और परिवार एवं समाज की खुशहाली की कामना करते हैं। पर्व के अवसर पर पारंपरिक गीत-संगीत, नृत्य और रीति-रिवाजों से गांव का वातावरण उल्लास और उत्साह से भर उठा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं, तीज-त्योहारों और प्रकृति से जुड़े पर्वों से है। करमा जैसे लोकपर्व हमें अपनी जड़ों और अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं। इन परंपराओं में प्रकृति के प्रति सम्मान, आपसी भाईचारा और सामूहिकता की भावना निहित है।उन्होंने कहा कि हमारी लोकसंस्कृति और परंपराएं केवल उत्सव का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान की अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें जीवंत बनाए रखना और नई पीढ़ी को इनकी महत्ता से परिचित कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं और बच्चों से भी अपनी संस्कृति, लोककलाओं एवं पारंपरिक पर्वों से जुड़ने का आह्वान किया।इस अवसर पर ग्रामीणजनों ने मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए करमा पूजा की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र एवं प्रदेश की निरंतर प्रगति तथा सभी परिवारों के सुख-समृद्धि की कामना की।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 199660/निविदा सूचना क्रमांक 07/वलेलि/2026-27, बेमेतरा, दिनांक 22.09.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए **दिनांक 13.10.2026** समय **17:30**तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : बेमेतरा जिले के बहेरा जलाशय के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार मुख्य नहर के आर.डी. 0 से 900 मी. और फीडर नहर के आर.डी. 0 से 1350 मी. तक रिमाडलिंग एवं सी.सी. लाईनिंग कार्य 05 नग व्ही.आर.बी., कोलाबा पाईप फिक्सिंग, वेस्ट वियर का मरम्मत कार्य, स्नान घाट का निर्माण तथा सी.सी. ब्लॉक पिचिंग कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 415.37 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइटhttps://eproc.cgstate.gov.inपर **दिनांक 29.09.2026 समय 17:31**बजे से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.inपर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बेमेतरा
कृते. मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)

बेमेतरा, दिनांक 22.09.2026

262703465/5

न्यूज इन शॉर्ट

राम-नामी' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का सम्मान मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय: वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ के रामनामी समाज पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'राम-नामी' को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री' का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इस उपलब्धि को पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय बताया और फिल्म के निर्देशक श्री भारतबाला गणपति सहित पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि 'राम-नामी' के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा, आस्था और रामनामी समाज की जीवनशैली को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में इस प्रतिष्ठित सम्मान से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति और परंपराओं का गौरव और बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और यहां की विशिष्ट सामाजिक विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने वाली ऐसी रचनात्मक पहलें छत्तीसगढ़ की पहचान को और व्यापक बनाती हैं। यह सम्मान प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध विरासत के लिए भी गौरव का अवसर है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने 'राम-नामी' की पूरी टीम को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए पुनः बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान दो चरणों में

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने विभागवार समय-सीमा लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की, वहीं जिले में आयोजित सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान के संबंध में अधिकारियों को अवगत कराया। कलेक्टर ने कहा कि जिले के नगरीय निकायों में सेवा मेरा योगदान उत्सव का आयोजन 23 से 25 सितम्बर और 01 से 08 अक्टूबर 2026 तक दो चरणों में होना है। समस्त नगरीय निकायों में स्थानीय आवश्यकताओं एवं उपलब्ध संसाधानों के अनुरूप गतिविधियां, सेवा एवं स्वच्छता, अन्न एवं वस्त्र दान, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, कौशल दान एवं प्रशिक्षण, हरित छत्तीसगढ़ एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, रक्त दान एवं कल्याण, सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकता तथा महिला सशक्तिकरण हेतु गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे। संबंधित विभाग बेहतर कार्य योजना के साथ आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। अभियान के दौरान जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों के जरूरतमंद बच्चों के लिए खिलौना दान का पहल किया जाए। इसके लिए ऐसे परिवार जिसके यहां बच्चे बड़े हो गये हैं और खिलौने अनुपयोगी साबित हो रहे हो, उन परिवारों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में खिलौना दान कराने अपील की जाए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को इस हेतु आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। साथ ही पांच बिल्डिंग स्थित विभागीय कार्यालय में दान में प्राप्त पुराने खिलौना संग्रहित करने निर्देशित किया। इस संबंध में डीपीओ श्री पांडे ने अवगत कराया कि खिलौना दान करने वाले नागरिक उनके मोबाईल नंबर 9893943374 पर संपर्क कर कार्यालय में खिलौना दान कर सकते हैं। इसके अलावा जिले के 08 परियोजना कार्यालय क्रमशः एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-1, धमधा, पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहरी, जामगांव(एम), भिलाई-2 एवं अहिवारा में भी संबंधित परियोजना अधिकारी से संपर्क कर खिलौना दान कर सकते हैं। इन कार्यालयों में भी खिलौना संग्रह की व्यवस्था की गई है।.द्यह्य॰ ऋद्भुस्र - गणेश विसर्जन पर राजनांदगांव में अभेद्य सुरक्षा घेरा, 800 जवान और 4 ड्रोन से होगी निगरानी रक्तदान एवं नेत्रदान भी होंगे सेवा मेरा योगदान के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, वरिष्ठ नागरिकों के लिए दन्त एवं दृष्टि जांच शिविर, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा पोषण एनिमिया संबंधी जारूकता अभियान, स्वास्थ्य एवं फिटनेस गतिविधियां तथा अंग दान एवं नेत्र दान हेतु संकल्प सेवा जागरूकता अभियान की चलाएं जाएंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएमएचओ को 02 अक्टूबर सहित अन्य महत्वपूर्ण तिथियों में मेघा स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये है।, अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार के वा सेतु शिविरों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

1 करोड़ के स्वर्ण मुकुट से सजे रायपुर के गणपति

750 ग्राम सोने-रत्नों से जड़ा, दर्शन को रात 4 बजे तक उमड़ रही भीड़

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर का गोलबाजार गणेशोत्सव इस बार भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति की ओर से भगवान गणपति का स्वर्ण श्रृंगार किया गया है। गणपति को करीब 1 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का सोने और रत्नों से जड़ा मुकुट पहनाया गया है। इस मुकुट का वजन 750 ग्राम है।गणपति के इस खास स्वर्ण श्रृंगार के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि देर रात के बाद भी दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कम नहीं होती। यहां सुबह करीब 4 बजे तक दर्शन का सिलसिला जारी रहता है।समिति के मुताबिक, गणपति को स्वर्ण मुकुट पहनाने की परंपरा 2018 से निभाई जा रही है। हर साल यहां बड़ी संख्या में नेता और जनप्रतिनिधि भी गणपति के दर्शन के लिए पहुंचते हैं

117 साल पुराना गणेशोत्सव, व्यापारी परिवारों की चौथी पीढ़ी जुड़ी

गोलबाजार शहर के पुराने गणेशोत्सव स्थलों में शामिल है। समिति के अनुसार, इस साल यहां गणपति स्थापना के 117 साल पूरे हो रहे हैं। इतने लंबे समय से चली आ रही इस परंपरा से शहर के व्यापारी परिवारों की चौथी पीढ़ी जुड़ी हुई है।समिति से जुड़े भाजपा नेता केदार गुप्ता ने बताया कि वे पिछले 37 साल से गणेशोत्सव की सेवा में लगे हैं। उनके अनुसार, पहले गोलबाजार में गणेशोत्सव के दौरान गुफाएं बनाई जाती थीं, लेकिन अब जगह कम होने के कारण गुफाओं की जगह झांकी तैयार की जाती है।

गणपति के साथ बालाजी, लक्ष्मी और पद्मावती के भी दर्शन

गोलबाजार के पंडाल में भगवान गणपति के साथ भगवान बालाजी, माता लक्ष्मी और मां पद्मावती की मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं। सुबह से लेकर देर रात तक यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रहती है।गणपति दर्शन के साथ पंडाल में होने वाले भजन भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। भजन के दौरान श्रद्धालु झूमते और डांस करते नजर आते हैं। रात बढ़ने के साथ भी श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी रहती है और सुबह करीब 4 बजे तक दर्शन का सिलसिला चलता है।

750 ग्राम सोने और रत्नों से बना है मुकुट

केदार गुप्ता ने बताया कि समिति के प्रति लोगों की आस्था काफी पुरानी है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहां गणपति बप्पा से मांगी गई मुराद पूरी होती है। उन्होंने बताया कि गणपति का मुकुट 750 ग्राम सोने और रत्नों से तैयार किया गया है।इसकी मौजूदा बाजार कीमत 1 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसी स्वर्ण मुकुट से गणपति का श्रृंगार किया गया है। को स्वर्ण मुकुट पहनाने की परंपरा जारी है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से गर्भावस्था में निशा को मिला आर्थिक संबल

पहली गर्भावस्था में मिली 5 हजार रुपये की सहायता, पोषण और स्वास्थ्य देखभाल में हुई सहूलियत

आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से योजना से जुड़ीं निशा, मातृत्व के महत्वपूर्ण समय में मिली आर्थिक राहत

निशा बोलीं-योजना की सहायता से खान-पान और स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख पाई

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा की कहानी' में जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं और परिवारों को मिल रहे सहयोग की तस्वीर सामने आ रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कतकालो की श्रीमती निशा के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मातृत्व के महत्वपूर्ण समय में आर्थिक संबल लेकर आई। पहली बार गर्भवती होने पर आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से उन्हें योजना की जानकारी मिली और कुल 5 हजार रुपये की सहायता दो किस्तों में प्राप्त हुई। निशा ने इस राशि का उपयोग खान-पान, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए किया।

आंगनबाड़ी के माध्यम से मिली योजना की जानकारी

निशा बताती हैं कि पहली गर्भावस्था के दौरान उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी मिली। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें योजना का लाभ मिला। समय पर मिली आर्थिक सहायता ने गर्भावस्था के दौरान जरूरी पोषण और स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दिया।

5 हजार रुपये की सहायता से पोषण और स्वास्थ्य का रखा ध्यान

गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक खान-पान और नियमित स्वास्थ्य देखभाल महत्वपूर्ण होती है। निशा के लिए योजना से मिली 5 हजार रुपये की सहायता इसी अवधि में उपयोगी साबित हुई। उन्होंने बताया कि आर्थिक सहायता से पौष्टिक आहार की व्यवस्था करने में सुविधा हुई और अपने स्वास्थ्य के साथ गर्भस्थ शिशु की सेहत का भी बेहतर ध्यान रख पाईं।

अपने अनुभव साझा करते हुए निशा कहती हैं, पहली बार गर्भवती होने पर मुझे आंगनबाड़ी के माध्यम से 5 हजार रुपये की सहायता दो किस्तों में मिली। इस पैसे से मेरे खान-पान में सुविधा हुई। यह सहायता मेरे और मेरे बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बहुत काम आई। गर्भवती महिलाओं के लिए यह बहुत मददगार है।

'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' के संदेश के साथ समुदाय की भागीदारी बढ़ाने का अभियान

बच्चों की थाली बनी सामूहिक जिम्मेदारी, प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण और स्वच्छता पर जोर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्य में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अंतर्गत 'बच्चों की थाली, हम सबकी जिम्मेदारी' और 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान व्यापक रूप से चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पोषण अभियान और यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को गर्म, ताजा, पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के साथ समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोस्टर एवं जागरूकता सामग्री के माध्यम से अभिभावकों और समुदाय को बताया जा रहा है कि वे बच्चों की थाली की गुणवत्ता और स्वच्छता पर नजर रखें। भोजन साफ-सफाई से तैयार हो रहा है या नहीं, उसका स्वाद एवं गुणवत्ता कैसी है, बच्चों को क्या और किस प्रकार परोसा जा रहा है, इन विषयों पर चर्चा करने के साथ आवश्यकतानुसार सुधार के सुझाव देने और उसमें सहयोग करने के लिए भी समुदाय को प्रेरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने 12 सितम्बर को राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह रथ गांव-गांव पहुंचकर माताओं, परिवारों और समुदाय को संतुलित आहार, स्वच्छता तथा बच्चों के शुरुआती विकास के प्रति जागरूक कर रहा है। इसके साथ ही विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से बच्चों के विकास की समय पर पहचान, परामर्श तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ सेवाओं से जोड़ने का कार्य भी सेवा भाव से किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की थाली से जुड़ी सामुदायिक भागीदारी

प्रदेश के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण माह के दौरान बच्चों के भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण मूल्य को बेहतर बनाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, माताओं, स्व-सहायता समूहों और समुदाय द्वारा मिलकर प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों द्वारा भोजन कम ग्रहण किए जाने की स्थिति में माताओं से चर्चा कर भोजन के स्वाद और परोसने के तरीके में आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों में स्थानीय एवं मौसमी सब्जियों, दाल और मिलेट जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करने के साथ रसोई की स्वच्छता और भोजन परोसते समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बच्चों के नियमित वजन एवं विकास की निगरानी भी की जा रही है, ताकि उनके पोषण स्तर में होने वाले बदलावों की समय पर पहचान की जा सके।

इन प्रयासों से आंगनबाड़ी केंद्रों में समुदाय की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। अब अभिभावक और ग्रामीण भी बच्चों के भोजन की गुणवत्ता, मेनू और स्वच्छता के बारे में जानकारी लेने के साथ आवश्यक सुझाव दे रहे हैं। यह पहल 'सेवा की कहानी' के रूप में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा भावना और समुदाय की जिम्मेदारी को सामने ला रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि आंगनबाड़ी प्रबंधन समितियों, पंचायतों, अभिभावकों और समुदाय को पोषण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। 9 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक चल रहे राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में रंग-बिरंगी थाली प्रदर्शन, पोषण मेला, माता-पिता की बैठकें, स्वच्छता अभियान और विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' केवल एक संदेश नहीं, बल्कि प्रदेश के हर बच्चे को स्वस्थ, सुपोषित और बेहतर भविष्य देने का सामूहिक संकल्प है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा भावना और समुदाय की सक्रिय भागीदारी से यह संकल्प धरातल पर साकार हो रहा है।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने किया कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण

छात्राओं से संवाद कर जानी समस्याएं, शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने राज्य महिला आयोग की टीम के साथ शंकर नगर, रायपुर स्थित राज्य स्तरीय पोस्ट मैट्रिक पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में रह रही छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं, आवश्यकताएं और सुझाव सुने तथा छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डॉ. ममता साहू ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई, आवासीय सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। छात्राओं द्वारा बताई गई समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निराकरण तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, ताकि वे निर्बाध रूप से अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए आगे बढ़ सकें।

निरीक्षण के दौरान राज्य महिला आयोग की ओर से श्रीमती मंजू थदानी एवं श्रीमती रश्मी तिवारी, सखी वन स्टॉप सेंटर रायपुर की संरक्षण अधिकारी श्रीमती प्रीति पांडेय सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

करमा पूजा में शामिल हुईं मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रकृति, संस्कृति और लोकपरंपराओं के संरक्षण का दिया संदेश

करमा पूजा में शामिल हुईं मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रकृति, संस्कृति और लोकपरंपराओं के संरक्षण का दिया संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े अपने गृह ग्राम बीरपुर में आयोजित प्रकृति के पावन तिहार 'करमा पूजा' में शामिल हुईं। उन्होंने ग्रामीणजनों के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं विधि-विधानपूर्वक करम देव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, शांति, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रकृति, संस्कृति और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

करमा पूजा छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और जनजीवन से गहराई से जुड़ा पारंपरिक पर्व है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सामुदायिक एकता और लोक आस्था का प्रतीक माना जाता है। करम देव की पूजा के साथ ग्रामीणजन सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और परिवार एवं समाज की खुशहाली की कामना करते हैं। पर्व के अवसर पर पारंपरिक गीत-संगीत, नृत्य और रीति-रिवाजों से गांव का वातावरण उल्लास और उत्साह से भर उठा।

गृह ग्राम बीरपुर में ग्रामीणजनों के साथ विधि-विधान से की करम देव की पूजा-अर्चना, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं, तीज-त्योहारों और प्रकृति से जुड़े पर्वों से है। करमा जैसे लोकपर्व हमें अपनी जड़ों और अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं। इन परंपराओं में प्रकृति के प्रति सम्मान, आपसी भाईचारा और सामूहिकता की भावना निहित है।उन्होंने कहा कि हमारी लोकसंस्कृति और परंपराएं केवल उत्सव का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान की अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें जीवंत बनाए रखना और नई पीढ़ी को इनकी महत्ता से परिचित कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं और बच्चों से भी अपनी संस्कृति, लोककलाओं एवं पारंपरिक पर्वों से जुड़ने का आह्वान किया।इस अवसर पर ग्रामीणजनों ने मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए करमा पूजा की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र एवं प्रदेश की निरंतर प्रगति तथा सभी परिवारों के सुख-समृद्धि की कामना की।

टी 20 में 200 जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बनी

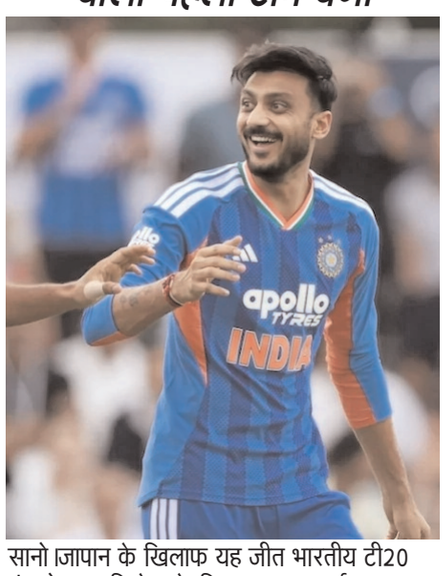

सानो।जापान के खिलाफ यह जीत भारतीय टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए खास बन गई। भारत अब इस फॉर्मेट में 200 जीत दर्ज करने वाली दुनिया की पहली टीम है। खास बात यह है कि यह उपलब्धि उसे ऐसे मुकाबले में मिली, जिसमें टीम ने सिर्फ 32 रन बनाए थे और आखिरी तक जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा।भारत ने जापान के खिलाफ एकमात्र टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में महज 2 रनों से जीत हासिल की। 22 सितंबर (मंगलवार) को सानो के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 ओवर में 32/4 का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम भी 5 ओवर में 3 विकेट पर 30 रन ही बना सकी।जापान पर इस जीत के साथ भारत मेन्स टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 200 मैच जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बन गया। दोनों देशों के बीच सीनियर स्तर पर यह पहला मुकाबला था, लेकिन बारिश और गीली आउटफील्ड मैच का रोमांच और बढ़ा दिया। मुकाबला करीब तीन घंटे की देरी से शुरू हुआ और ओवरों की संख्या घटाकर 5-5 कर दी गई। इतने छोटे मैच में 33 रनों का लक्ष्य भी आसान नहीं रहा और आखिरी गेंद ने मुकाबले का नतीजा तय किया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को सानो की पिच पर जापानी गेंदबाजों ने खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। टर्न और अतिरिक्त उछाल के कारण भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी हुई। कप्तान श्रेयस अय्यर ने सबसे ज्यादा 16 रन बनाए। उन्होंने 12 गेंदों की अपनी पारी में एक चौका लगाया। संजू सैमसन ने 7 गेंदों पर 9 रन बनाए। जापान के चार्ली हारा-हिंज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए। उन्होंने अभिषेक शर्मा को खाता खोलने का मौका नहीं दिया, जबकि भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर को भी पवेलियन भेजा।

वेटलिफ्टिंग में खत्म हुआ 28 साल का सूखा

एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है।

श्रेयस अय्यर को टी-20 रैंकिंग में 7 स्थान का फायदा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर को हृष्ट की नई टी-20 बैटिंग रैंकिंग में 7 स्थान का फायदा हुआ है। वे अब 22वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज और जापान के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन का उन्हें फायदा मिला।वहीं, जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा वनडे ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 276 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।टी-20 बैटिंग रैंकिंग के टॉप-10 में तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल है। ईशान किशन टॉप और अभिषेक शर्मा दूसरे पर बने हुए हैं। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज तिलक वर्मा आठवें से नौवें पर खिसक गए हैं।

दिग्गज बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर ने बड़ा सवाल खड़ा किया

खिलाड़ियों को भारतीय टीम में वह मौका नहीं मिल रहा जिसके वे हकदार हैं।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के चयनकर्ताओं पर पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर ने बड़ा सवाल खड़ा किया है। वेंगसरकर इस बात से बेहद नाराज हैं कि घरेलू क्रिकेट (रणजी ट्रॉफी) में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भारतीय टीम में वह मौका नहीं मिल रहा जिसके वे हकदार हैं। दिलीप वेंगसरकर का साफ कहना है कि अगर घरेलू टूर्नामेंट्स के दम पर इंटरनेशनल टीम में एंट्री नहीं मिलती तो इस टूर्नामेंट को कराने का कोई मतलब ही नहीं है। एक मीडिया चैनल से बातचीत के दौरान वेंगसरकर ने तीखे अंदाज में कहा कि अगर आपको लगता है कि ये घरेलू मैच सिलेक्शन का आधार नहीं हैं तो रणजी ट्रॉफी को बंद कर दीजिए। इसे मत खेलिए। उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ी इतनी कड़ी मेहनत करते हैं, मैच जिताते हैं, विकेट चटकाते हैं। अगर इसके बाद भी उन्हें टीम इंडिया की कैप नहीं मिलती तो यह सिर्फ समय की बर्बादी है।

वेंगसरकर ने खास तौर पर जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी का जिक्र किया, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में तहलका मचा दिया था। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम में शामिल हैं, लेकिन अभी उनको अपने डेब्यू का इंतजार है।

दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम से बाहर रखे जाने पर भी वेंगसरकर हैरान नजर आए। शमी ने हालिया रणजी सीजन में 37 विकेट चटकाए थे और उनका औसत 17 से भी कम का रहा था। इसके अलावा उन्होंने दलीप ट्रॉफी 2026 में भी ईस्ट जोन को चैम्पियन बनाने में अपनी गेंदबाजी से अहम योगदान दिया था।

मोहम्मद शमी जून 2023 से टेस्ट टीम से और मार्च 2025 से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। वेंगसरकर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज के लिए शमी को टीम में शामिल किए जाने की पुरजोर वकालत करते हुए कहा कि सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आता कि शमी को क्यों साइडलाइन किया गया है।

व्यापार

भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा

वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की

स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के

नई दिल्ली में एआईएमए के 53वें राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमश- 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।

यूएन रुकवा सकेगा युद्ध

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों की बैठकें आरंभ हो रही हैं। युद्ध, शांति, स्थिरता महासभा के बुनियादी एजेंडे में शामिल हैं। हालांकि युद्ध तभी शांत और समाप्त हो सकते हैं, जब युद्धरत देशों में संवाद और समझौता हो सके। फिलहाल ऐसे आसार न तो रूस-यूक्रेन युद्ध और न ही ईरान युद्ध में दिखाई दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की महत्ता, उसके आह्वान, उसकी मध्यस्थता और सामूहिक प्रासंगिकता खंडित, क्षीण हो चुके हैं, लिहाजा युद्ध भड़क रहे हैं। आम आदमी मर रहा है या विस्थापन को विवश है अथवा भुखमरी-शरण का शिकार है। महासभा के दौरान अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेन के आपातकालीन राष्ट्रपति जेलेंस्की के अतिरिक्त राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकातें और संवाद 'व्हाइट हाउस' में होने हैं। जेलेंस्की को युद्ध रोकने को ट्रंप बाध्य कर पाएंगे, इसके प्रथमद्रष्ट्या आसार नहीं हैं। ट्रंप ने जेलेंस्की को फोन पर भी अपील की थी कि रूस के तेल ठिकानों, ऊर्जा-संयंत्रों, रिफाइनरियों पर हमले न किए जाएं। उससे वैश्विक संकट गहराता जाएगा। जेलेंस्की नहीं माने और एक साथ 1600 से अधिक ड्रोन दाग कर मॉस्को और आसपास के ऊर्जा-ठिकानों पर ही हमले कराए। यूक्रेन का रूस पर यह सबसे बड़ा और विनाशक हमला था। हालांकि रूस का दावा है कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने 1110 ड्रोन हवा में ही मार गिराए, लेकिन 450 से अधिक ड्रोनों के हमले विध्वंसकारी, भस्मकारी, विनाशक साबित हुए। रूस का करीब 40 फीसदी रिफाइनिंग सिस्टम नष्ट हो चुका है।भारत से पेट्रोल, डीजल खरीदने पड़ रहे हैं, जबकि भारत को सबसे अधिक कच्चा तेल रूस ही सप्लाई कर रहा है। अमरीकी पाबंदियों की परवाह नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप का बयान आया है कि अब यह 'बेतुका युद्ध' रुकना चाहिए, क्योंकि हर महीने 25,000 से ज्यादा लोग और सैनिक मर रहे हैं।

विचार

अमीर और अमीर, गरीब और गरीब क्यों?

डा. वरिंद्र भाटिया

लेखक

अगर जीडीपी बढ़ती है तो इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था ज्यादा रोजगार पैदा कर रही है। इसका यह भी मतलब है कि लोगों का जीवन स्तर भी आर्थिक तौर पर समृद्ध हो रहा है। इससे यह भी पता चलता है कि कौनसे क्षेत्र में विकास हो रहा है और कौनसा क्षेत्र आर्थिक तौर पर पिछड़ रहा है। इस साल अप्रैल से जून के बीच भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी, जो ब्लूमबर्ग और आरबीआई के अनुमानों से अधिक है। सरकार इसे वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एक बड़ी उपलब्धि बता रही है, जो ठीक है, हालांकि इन आंकड़ों पर सरकार में ही वित्त सचिव रहे सुभाष चंद्र गर्ग ने सवाल उठाए, जिसने बहस छेड़ दी।

हालांकि मुक्त व्यापार समझौतों के बाद एक नया दौर शुरू हो रहा है और उसके लिए हमें बेहतर तैयारी करनी होगी। असमानता के मुद्दे पर देखें तो भारत में गरीबी घटी है, लेकिन संपत्ति और आय का अंतर बढ़ा है। यह केवल भारत नहीं, बल्कि दुनिया भर की समस्या है। इसका एक प्रमुख कारण लेबर सप्लाई बढना है जिसके चलते मजदूरी नहीं बढ़ी है। हमें समझना होगा कि एआई और नई तकनीकें जीडीपी बढ़ा सकती हैं, लेकिन अगर विकास का लाभ व्यापक रूप से लोगों तक नहीं पहुंचता, तो केवल ऊंची वृद्धि दर पर्याप्त नहीं मानी जा सकती। अमीर और अमीर हो रहे हैं, गरीब और गरीब हो रहे हैं, यह ठीक नहीं है, पर यही भारतीय अर्थव्यवस्था का सच है। हाल ही में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े आने के बाद से एक नया विवाद खड़ा हो गया है। जीडीपी की गणना की प्रक्रिया को लेकर कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं। ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी सकल घरेलू उत्पाद किसी एक साल में देश में पैदा होने वाले सभी सामानों और सेवाओं की कुल वैल्यू को कहते हैं। जीडीपी किसी देश के आर्थिक विकास का सबसे बड़ा पैमाना है। अधिक जीडीपी का मतलब है कि देश की आर्थिक बढ़ोतरी हो रही है। अगर जीडीपी बढ़ती है तो इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था ज्यादा रोजगार पैदा कर रही है। इसका यह भी मतलब है कि लोगों का जीवन स्तर भी आर्थिक तौर पर समृद्ध हो रहा है। इससे यह भी पता चलता है कि कौनसे क्षेत्र में विकास हो रहा है और कौनसा क्षेत्र आर्थिक तौर पर पिछड़ रहा है। इस साल अप्रैल से जून के बीच भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी, जो ब्लूमबर्ग और आरबीआई के अनुमानों से अधिक है। सरकार इसे वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एक बड़ी उपलब्धि बता रही है, जो ठीक है, हालांकि इन आंकड़ों पर सरकार में ही वित्त सचिव रहे सुभाष चंद्र गर्ग ने सवाल उठाए, जिसने बहस छेड़ दी। फिर कुछ विपक्षी दलों के नेताओं ने भी कहा है कि पिछले साल के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन के कारण मौजूदा विकास

दर वास्तविकता से अधिक मजबूत दिखाई दे रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रही है या फिर जीडीपी के आंकड़ों की तस्वीर उतनी मजबूत नहीं है जितनी दिखाई जा रही है। यह विवाद मुख्य रूप से जीडीपी की तुलना के आधार यानी बेस ईयर डेटा को लेकर है। अगर सरकार कह रही है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही है, तो इसका सीधा अर्थ है कि अप्रैल से जून की मौजूदा तिमाही में भारत का कुल आर्थिक उत्पादन पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में 7.8 फीसदी अधिक रहा। ये तिमाही के आंकड़े दरअसल एक अनुमान हैं। ये ग्रोथ का सटीक आकलन नहीं होता।

ये अनुमान इसलिए जारी होते हैं ताकि उसके हिसाब से बजट बने, पूरे देश में सालभर में हुई कमाई का असली आकलन करने में एक-डेढ़ साल लग जाता है। इस मुद्दे पर सवाल है कि अगर पिछले वर्ष का आधार आंकड़ा बदल गया है, तो नई वृद्धि दर को उसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। दूसरी ओर, सरकार का कहना है कि समय-समय पर आंकड़ों की गणना की पद्धति और आधार वर्ष बदलते रहते हैं, इसलिए संशोधित सिरीज के आधार पर ही तुलना उचित मानी जाती है। यह एक ठोस कारण है। हर सरकार अपने कार्यकाल में जीडीपी की गणना के मैथड और बेस ईयर को अपडेट करती है ताकि अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर बेहतर ढंग से सामने आ सके। ऐसा दुनियाभर में होता है। अगर जीडीपी बढ़ेगी तो ये सभी चीजें भी बेहतर होंगी। लेकिन समस्या यह है कि पिछले 15 साल के दौरान भारत में जीडीपी लगातार बढ़ रही है, प्रति व्यक्ति जीडीपी भी बढ़ी है। इसके बावजूद रोजगार में वैसी बढ़ोतरी नहीं दिखी। और आम श्रमिकों और नियमित मजदूरी पर काम करने वाले लोगों की आय भी उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह एक रिसर्च और खोज का बिन्दु है। भारत में जितनी भी वृद्धि हुई है, उससे यह साफ दिखाई देता है कि उसमें असमानता की बड़ी भूमिका है। पहले से संपन्न लोगों तक जीडीपी वृद्धि का बड़ा हिस्सा पहुंच रहा है, जिनके पास पहले से पूंजी और संसाधन हैं, लाभ मुख्य रूप से उन्हीं के पास केंद्रित होता जा रहा है। इसके विपरीत, आम जनता, मजदूरों और किसानों तक उस वृद्धि का लाभ उसी अनुपात में नहीं पहुंच रहा। अमीरों के पास धन जाने से उसका लाभ अपने आप सभी तक पहुंच जाने से जुड़ा 'ट्रिकल-डाउन' सिद्धांत व्यावहारिक रूप से सफल नहीं रहा है।

विचार

अगर अमेरिका ने सौ प्रतिशत का टैरिफ थोपा तो !

उमेश चतुर्वेदी

लेखक

आज जिस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकरीबन पूरी दुनिया ने अपना रखा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को लगता है कि अमेरिका के सहयोग के बिना वह एक कदम आगे नहीं रख सकती। वैश्विक आर्थिकी में डालर के वर्चस्व के चलते ज्यादातर देशों को लगता है कि अगर अमेरिका की आंखें टेढ़ी हुईं तो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी सोच का ही असर है कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद भारत के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की नजर में भारतीय विदेश नीति नाकाम नजर आने लगी है। सैद्धांतिक रूप से भारतीय वामपंथी इकोसिस्टम अमेरिका का हर पल खुला विरोध करता है, लेकिन उसे भी अमेरिकी टैरिफ कानून भारतीय हित के खिलाफ नजर आ रहा है।

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस- यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी-भरकम जनसंख्या के लिए किफायती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है।अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से 'सैंक्शनिंग रशा एंड ईरान एक्ट' के पारित होने को लेकर देश में आशंकाओं के बादलों का उठना स्वाभाविक है। आज जिस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकरीबन पूरी दुनिया ने अपना रखा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को लगता है कि अमेरिका के सहयोग के बिना वह एक कदम आगे नहीं रख सकती। वैश्विक आर्थिकी में डालर के वर्चस्व के चलते ज्यादातर देशों को लगता है कि अगर अमेरिका की आंखें टेढ़ी हुईं तो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी सोच का ही असर है कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद भारत के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की नजर में भारतीय विदेश नीति नाकाम नजर आने लगी है। सैद्धांतिक रूप से भारतीय वामपंथी इकोसिस्टम अमेरिका का हर पल खुला विरोध करता है, लेकिन उसे भी अमेरिकी टैरिफ कानून भारतीय हित के खिलाफ नजर आ रहा है। इन सबके बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया संतुलित और सधी हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत अपनी 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दृढ़ है। जाहिर है, भारत को झुकाने की सोच रखने वाले ट्रंप प्रशासन को ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं रही होगी। ऐसे में अमेरिका के अगले कदम पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी हो जाता है।

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस- यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी-भरकम जनसंख्या के लिए किफायती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। इसलिए भारत का न झुकना देश के विपक्षी दलों और अमेरिकी सरकार के लिए हैरतअंगेज भले ही हो, भारतीय हितों के अनुकूल नहीं है। वैसे जब से ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभाला है, अपने ऊल-जलूल फैसलों के लिए ही वे

जाने गए हैं। यह पहला मौका नहीं है कि उन्होंने इस कानून के जरिए भारत को दबाने की कोशिश की है। बीते साल एक अगस्त 2025 से उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। जिससे उनके ही बाजार में भारतीय वस्तुएं और सामान महंगे होने लगे थे। तब चालाकी दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन ने फार्मास्युटिकल्स को इस टैरिफ से अलग रखा था। इसकी वजह यह है कि भारत से अमेरिका आने वाली दवाएं सस्ती पड़ती हैं। भारतीय रत्न और आभूषणों पर टैरिफ लगाने का बहुत असर नहीं पड़ा था। क्योंकि रत्न और आभूषण स्वभाव से ही महंगे होते हैं और उन्हें खरीदने वाले लोगों के लिए इनकी महंगाई मायने नहीं रखती। ठीक वैसे ही, जैसे भारत में महंगा होने के बावजूद सोने की खरीद-बिक्री पर असर नहीं पड़ा है। भारतीय सामान जब बढ़े टैरिफ के चलते अमेरिकी बाजार में महंगे होने लगे तो अमेरिका में भी ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के खिलाफ सवाल उठने लगे। तब तक अमेरिकी प्रशासन को भी समझ आने लगा था कि उसने कैसा कदम उठाया है। इसका असर यह हुआ कि फरवरी 2026 में ट्रंप प्रशासन को टैरिफ में कटौती करनी पड़ी।पश्चिमी एशिया का हालिया संकट अमेरिका की ही देन है। जब से यह संकट बढ़ा है, भारत ने रूस से तेल की खरीददारी बढ़ा दी है। यह भारत की मजबूरी भी है। बीती जुलाई में भारत ने अपने कुल तेल आयात का 51.4 प्रतिशत तेल अकेले रूस से खरीदा था। रूस से तेल खरीद का भारतीय मकसद मौजूदा हालात में अपने लिए किफायती दरों पर तेल हासिल करना है। भारत का यह अधिकार है और मौजूदा हालात में अगर भारत झुकता है तो इसे भारतीय नागरिक शायद ही पसंद करेगा।भारत की तुलना में चीन ना सिर्फ रूस, बल्कि ईरान से भी भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है। रूस से तेल खरीदना उसके लिए ज्यादा आसान और सस्ता है। चूंकि दोनों देशों की सीमाएं मिलती हैं और तेल की आपूर्ति पाइपलाइन के जरिए आसानी से होती है, इसलिए चीन भी टैरिफ युद्ध के निशाने पर होने के बावजूद तेल खरीद से पीछे नहीं हट रहा तो फिर हमें ही क्यों पीछे रहना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून के तहत भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ थोपते हैं तो भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात को बड़ा झटका लग सकता है। जानने की बात है कि भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों में टेक्सटाइल्स, रत्न और आभूषण, आटोमोबाइल और इंजीनियरिंग उत्पाद ज्यादा है।

(एक नजर)

24 सितंबर को मंगल करेंगे पुष्य में प्रवेश!

वैदिक ज्योतिष जैसे मंगल का गोचर बहुत ही महत्वपूर्ण होता है, ठीक उसी तरह मंगल का नक्षत्र परिवर्तन भी बहुत ही विशेष होता है। ज्योतिष में ग्रहों के सेनापति मंगल देव को ऊर्जा, साहस, पराक्रम, भूमि और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। 24 सितंबर 2026 को मंगल देव पुनर्वसु नक्षत्र से निकलकर पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। वे 17 अक्टूबर तक इसी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे।ज्योतिष शास्त्र में 27 नक्षत्रों में पुष्य नक्षत्र को नक्षत्रों का राजा और अत्यंत शुभ व कल्याणकारी माना गया है। इस नक्षत्र के स्वामी न्याय के देवता शनि हैं और इसके देवता बृहस्पति (देवगुरु) हैं। ऐसे में मंगल का पुष्य नक्षत्र में आना ऊर्जा (मंगल), अनुशासन (शनि) और ज्ञान/समृद्धि (गुरु) का एक अद्भुत और शक्तिशाली तालमेल बनाता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, 24 सितंबर से 17 अक्टूबर के दौरान मंगल का यह नक्षत्र परिवर्तन 4 विशेष राशियों के जीवन में सुख, संपत्ति और करियर में बड़ी छलांग लगाने के योग बना रहा है।

विचार

शिक्षक पर हाथ उठाना समाज की हार

डा. विजय विशाल

लेखक

आज का विद्यार्थी पहले की तुलना में अधिक प्रश्न करता है और अपने अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक है। यह स्थिति शिक्षक के लिए चुनौती जरूर है, लेकिन लोकतांत्रिक शिक्षा के लिए अवसर भी है।

किसी विद्यालय के परिसर में यदि विद्यार्थी अपने प्रधानाध्यापक के साथ मारपीट पर उतर आएं, तो उस घटना को केवल अनुशासनहीनता कहकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। यह घटना समाज के सामने एक अधिक गंभीर प्रश्न रखती है- क्या हमने असहमति को व्यक्त करने के लोकतांत्रिक तरीके खोने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी बंगाल के जलपाईगुड़ी डिस्ट्रिक्ट स्कूल में प्रधानाध्यापक के साथ हुई कथित मारपीट इसी प्रश्न को कठघरे में खड़ा करती है। घटना के पीछे जो भी शिकायतें या आरोप रहे हों, उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि प्रधानाध्यापक के विरुद्ध मिड-डे मील में अनियमितता अथवा किसी अन्य मामले को लेकर शिकायत थी, तो उसके लिए प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रिया उपलब्ध थी। आरोप सही पाए जाते तो नियमानुसार कार्रवाई होती। लेकिन किसी शिकायत की गंभीरता हिंसा को वैध नहीं बना देती। किसी व्यक्ति के दोषी होने का फैसला आरोप लगाने वाली भीड़ नहीं,

विधिसम्मत प्रक्रिया करती है। यही सभ्य समाज और अराजक समाज के बीच की बुनियादी रेखा है।

यह बात शिक्षक के पक्ष में खड़े होकर नहीं, कानून के पक्ष में खड़े होकर कही जानी चाहिए। शिक्षक भी कानून से ऊपर नहीं है। वह गलती कर सकता है, अनुचित व्यवहार कर सकता है और उसके विरुद्ध शिकायत हो सकती है। लेकिन उसके विरुद्ध कार्रवाई का रास्ता भी वही होना चाहिए जो किसी अन्य नागरिक के लिए है- शिकायत, जांच, सुनवाई और नियमानुसार निर्णय।

दूसरी ओर विद्यार्थी को भी यह समझना होगा कि अधिकार का अर्थ मनमानी नहीं है। विद्यालय में विद्यार्थी को प्रश्न करने का अधिकार है। वह शिक्षक के निर्णय से असहमत हो सकता है। वह प्रधानाध्यापक के विरुद्ध शिकायत कर सकता है। वह प्रशासन से जवाब मांग सकता है। लेकिन इन अधिकारों का अर्थ यह नहीं कि वह किसी शिक्षक को धमका सकता है या उस पर हाथ उठा सकता है। असहमति लोकतंत्र है, हिंसा अराजकता। आज हमारे समय की एक बड़ी विडंबना यही है कि हम बच्चों को स्वतंत्रता का अर्थ तो समझाना चाहते हैं, लेकिन स्वतंत्रता के साथ आने वाली जिम्मेदारी का संस्कार उतनी गंभीरता से नहीं दे पा रहे।

हम चाहते हैं कि बच्चे सवाल करें, लेकिन उन्हें यह भी बताना होगा कि सवाल का उत्तर मनचाहा न मिले तो अगला कदम क्या है। लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि मेरी बात नहीं मानी गई तो मैं अपनी शक्ति का इस्तेमाल करूं। लोकतंत्र का अर्थ है- असहमति के बावजूद व्यवस्था के भीतर समाधान खोजने की क्षमता। विद्यालय इस लोकतांत्रिक संस्कार की पहली पाठशाला है। इसलिए शिक्षक पर हमला केवल शिक्षक की व्यक्तिगत गरिमा पर हमला नहीं है। यह विद्यालय के उस नैतिक वातावरण को भी चोट पहुंचाता है जिसमें बच्चों को तर्क, अनुशासन और संवाद सीखना है। बच्चे किताबों से जितना सीखते हैं, उससे कम अपने आसपास घटने वाली घटनाओं से नहीं सीखते। यदि उन्हें यह संदेश मिलता है कि ताकतवर व्यवहार से नियमों को बदला जा सकता है, तो कानून और संस्थाओं पर विश्वास का पाठ कमजोर पड़ जाता है। लेकिन यहां एक दूसरी सच्चाई को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शिक्षक का सम्मान अंध-समर्थन नहीं है। शिक्षक के हाथ में कक्षा का अधिकार है, समाज की निरंकुश सत्ता नहीं। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह विद्यार्थियों के साथ सम्मानजनक और संवेदनशील व्यवहार करे। अनुशासन के नाम पर अपमान, भय या अनुचित कठोरता स्वीकार्य नहीं हो सकती। यदि कोई शिक्षक अपने पद का दुरुपयोग करता है, तो उसके विरुद्ध शिकायत होनी चाहिए और कार्रवाई भी होनी चाहिए। समस्या तब और बढ़ जाती है जब परिवार भी विवाद के समाधान का संस्थागत रास्ता छोड़कर सीधे टकराव का रास्ता चुनने लगता है। बच्चे के साथ अन्याय हुआ हो तो अभिभावक का हस्तक्षेप स्वाभाविक और आवश्यक है। लेकिन बच्चे के प्रति प्रेम का अर्थ उसकी हर शिकायत को बिना जांच सत्य मान लेना नहीं है।

अभिभावक की भूमिका बच्चे का पक्ष लेने के साथ उसे जिम्मेदारी का अर्थ समझाने की भी है। यदि बच्चे को विद्यालय से शिकायत है, तो अभिभावक को विद्यालय प्रशासन से संवाद करना चाहिए। आवश्यकता हो तो शिक्षा विभाग तक मामला ले जाना चाहिए। यदि कानून का उल्लंघन हुआ है तो कानूनी रास्ता अपनाया जाना चाहिए। लेकिन शिक्षक के साथ सार्वजनिक अपमान, धमकी या हिंसा को बच्चे के समर्थन का नाम नहीं दिया जा सकता। वास्तव में, आज हमें विद्यालयों में एक ऐसी शिकायत-व्यवस्था की आवश्यकता है जो विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक- तीनों का विश्वास जीत सके। विद्यार्थी को यह भरोसा होना चाहिए कि उसकी शिकायत दबाई नहीं जाएगी। शिक्षक को यह विश्वास होना चाहिए कि शिकायत के नाम पर उसे भीड़ के सामने असुरक्षित नहीं छोड़ा जाएगा। अभिभावक को भरोसा होना चाहिए कि प्रशासन निष्पक्ष जांच करेगा। जब संस्थाएं विश्वसनीय होती हैं।

समझिए कॉर्पोरेट जॉब्स और स्टार्ट-अप जॉब्स में अंतर

कॉर्पोरेट की दुनिया में भले ही आपको काम का अनुभव हो लेकिन अगर आप स्टार्ट-अप्स में जॉब पाने का सोच रहे हैं तो पहले कॉर्पोरेट जॉब्स और स्टार्ट-अप जॉब्स में अंतर समझ लीजिए। यह एक्सपीरियेंस वर्सेस पैशन की बात है। आपका अनुभव आपको स्टार्ट-अप जॉब नहीं दिलवा सकता लेकिन पैशन हो तो यह संभव है। कॉर्पोरेट जॉब्स और स्टार्ट-अप जॉब्स में ये चार अंतर समझकर आप आगे बढ़ने का सोच सकते हैं :

पास्ट वर्सेस फ्यूचर

कॉर्पोरेट जॉब पाने के लिए आपको यह साबित करने की जरूरत है कि आपने पास्ट में क्या किया है। आपको यह बताना होगा कि आप किन बातों में दक्ष थे और आपने यह काम पहले किया है। आप अपने रेज्यूमे को अनुभवों से भरा हुआ बताएंगे। स्टार्ट-अप जॉब पाने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप फ्यूचर में क्या कर सकते हैं। यहां आपके रेज्यूमे में हाइरगि एन्टरप्रेन्योर का ध्यान खिंचने जैसा कुछ नहीं है, यहां तक कि पढ़ने जैसा कुछ नहीं है। जब रेज्यूमे और पास्ट एक्सपीरियेंस की बात आती है तो इसका स्टार्ट-आप जॉब्स के लिए उतना मतलब नहीं है।

अंतर: आपने पास्ट में क्या किया है यह कल की खबर है। स्टार्ट-अप में जॉब पाने के लिए, आपको बताना होगा कि आप कल क्या कर सकते हैं।

माउथ वर्सेस ईयर्स

कॉर्पोरेट जॉब के इंटरव्यू में बहुत सारी बातें करने की जरूरत होती है। आप रिक्रूटर से बात करते हैं। आप एचआर डिपार्टमेंट्स से बात करते हैं। आपको हाइरिंग मैनेजर और टीममेट्स से बात करना होती है। आप यह साबित करने के लिए बात करते हैं कि आप जानते हैं कि आप क्या बात कर रहे हैं। आप जॉब पाने के लिए बात करते हैं। स्टार्ट-अप जॉब के लिए इंटरव्यू में आपको बहुत सारा सुनने की जरूरत होती है। बिजनेस की कहानी सुननी होती है। यह सुनना होता है कि बिजनेस आइडिया कहां से आया और कैसे बिजनेस आगे बढ़ा। आपको यह सुनना होता है कि इस प्रक्रिया में कितना मजा आया और किस तरह का क्रेज इसके लिए था। आपका यह सुनना साबित करता है कि आप इस बिजनेस के लिए जुनूनी हैं। क्योंकि अगर आप बिजनेस को लेकर आकर्षित नहीं हैं तो आप यहां काम नहीं करना चाहिए।

अंतर: एक स्टार्ट-अप इंटरव्यू आपके बारे में नहीं है। यह बिजनेस के बारे में है और बिजनेस में आपकी रूचि के बारे में हैं। साबित करें कि आप इसे मंत्रमुग्ध हैं।

डिग्री वर्सेस एक्शन

अगर आप बड़े-बड़े एमएनसी में काम करने की इच्छा रखते हैं तो आपको उस तरह की डिग्री चाहिए। इसमें प्रवेश के लिए न्यूनतम आवश्यकता एक कॉलेज डिग्री की है। बड़े और बेहतर जॉब्स के लिए आपके पास एमबीए होना चाहिए। स्टार्ट-अप में जॉब चाहते हैं इस तथ्य को भूल जाइए कि आप स्कूल गए थे। एन्टरप्रेन्योर्स का विश्वास काम करने में है, ना कि पढ़ाई में।

अंतर: आपने क्या पढ़ा है, वह पूरी तरह शैक्षणिक है। स्टार्ट-अप में जॉब पाने के लिए मायने रखता है कि आप क्या कर सकते हैं। अपनी डिग्री छुपाएं और इसके बारे में बात करें।

मनी वर्सेस कैश फ्लो

कॉर्पोरेट जॉब के इंटरव्यू के लिए आपको अपनी सैलेरी निगोशिएट करेंगे। आप स्टॉक और बोनस प्लान के बारे में बात कर सकते हैं। स्टार्ट-अप के इंटरव्यू में आपको कैश फ्लो के बारे में बात करना होगी। स्टार्ट-अप में कैश राजा है और सैलेरी दुश्मन है। आप सैलेरी कम करने को कहा जा सकता है। आपको यहां तक की मुफ्त में काम करने के लिए कहा जा सकता है। आपको वे बताएंगे कि उन्हें क्या मिला है। और अगर आप वहां काम करना चाहते हैं तो आपको यह लेना चाहिए।

अंतर : अगर आप जॉब केवल आर्थिक दृष्टि से कर रहे हैं तो कॉर्पोरेट जॉब इसका जवाब है।

अगर जॉब के साथ आने वाले फायदें और परक्स आपके दिमाग में नहीं घुमते हैं तो आपका स्टार्ट-अप को लेकर माइंड सेट है।

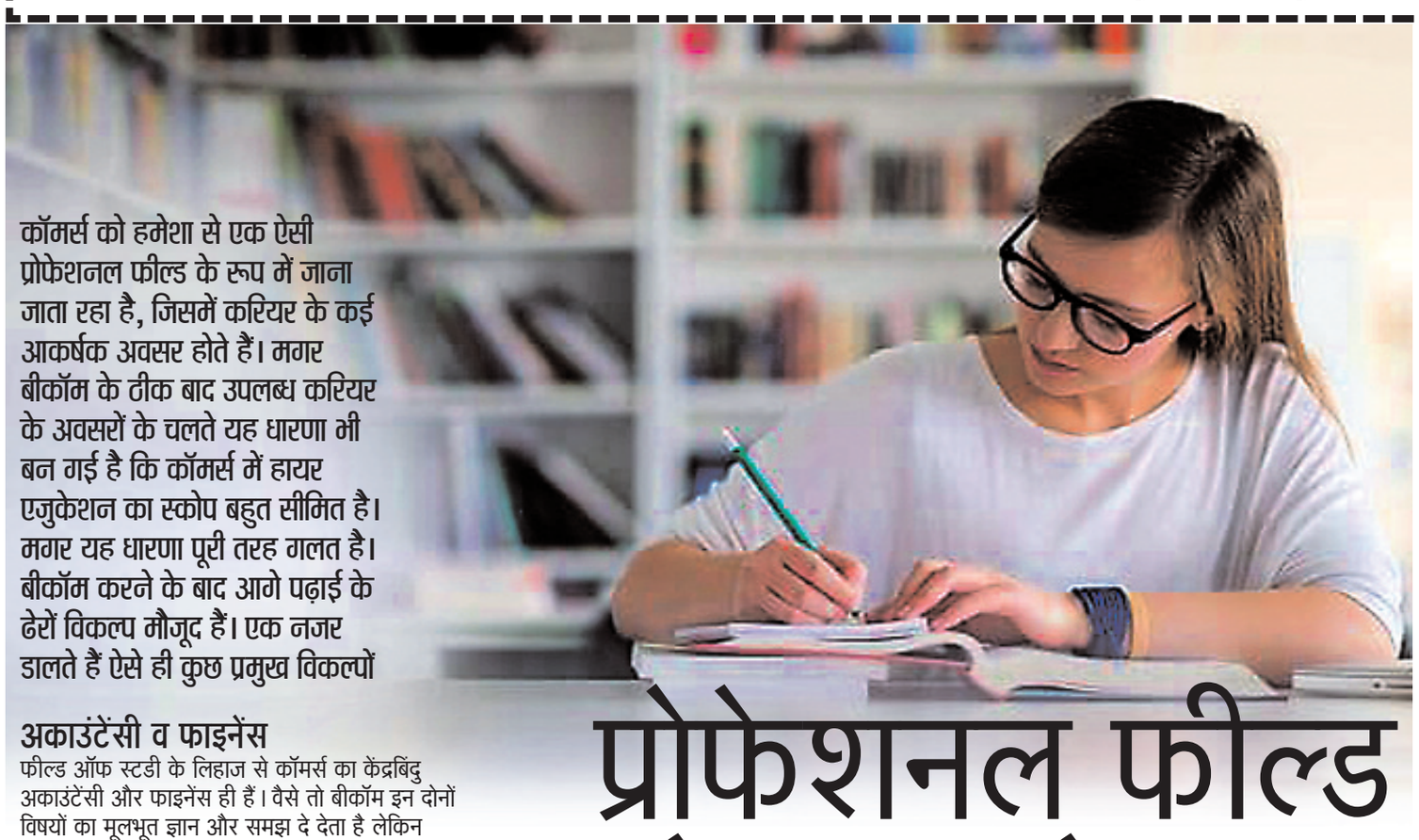

प्रोफेशनल फील्ड के रूप में जाना जाता रहा है

कॉमर्स को हमेशा से एक ऐसी प्रोफेशनल फील्ड के रूप में जाना जाता रहा है, जिसमें करियर के कई आकर्षक अवसर होते हैं। मगर बीकॉम के ठीक बाद उपलब्ध करियर के अवसरों के चलते यह धारणा भी बन गई है कि कॉमर्स में हायर एजुकेशन का स्कोप बहुत सीमित है। मगर यह धारणा पूरी तरह गलत है। बीकॉम करने के बाद आगे पढ़ाई के ढेरों विकल्प मौजूद हैं। एक नजर डालते हैं ऐसे ही कुछ प्रमुख विकल्पों

अकाउंटेंसी व फाइनेंस

फील्ड ऑफ स्टडी के लिहाज से कॉमर्स का केंद्रबिंदु अकाउंटेंसी और फाइनेंस ही हैं। वैसे तो बीकॉम इन दोनों विषयों का मूलभूत ज्ञान और समझ दे देता है लेकिन यदि आप गहराई में जाकर इनका अध्ययन करना चाहते हैं, तो बीकॉम के बाद इनमें से कोई कोर्स कर सकते हैं:

चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए)

चार्टर्ड अकाउंटेंसी को फाइनेंस एंड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में सर्वोच्च डिग्री माना जाता है। सीए प्रोग्राम में विद्यार्थी को अकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन का संपूर्ण ज्ञान दिया जाता है।

सर्टिफाइड फाइनेंशियल एनालिस्ट

सीएफए अकेडेमिक प्रोग्राम उन विद्यार्थियों के लिए है, जिन्हें फाइनेंशियल सिस्टम्स तथा इन्वेस्टमेंट्स में गहरी रुचि है। इस कोर्स में विद्यार्थियों को बेसिक अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स, बिज- नेस प्रेक्टिसेज, इकोनॉमिक पॉलिसीज एंड कंडीशंस आदि पढ़ाए जाते हैं।

कॉस्ट अकाउंटेंसी (आईसीडब्ल्यूए)

कॉस्ट अकाउंटेंसी का कोर्स उन विद्यार्थियों के लिए है, जिन्हें कंपनी के कॉस्ट का प्रबंधन करने तथा कंपनी को मुनाफे में रखने के लिए चैक्स एंड बैलेंस मैकेनिज्म विकसित करने में दिलचस्पी है।

कंपनी सेक्रेटरी (सीएस)

यदि आपको कंपनी के स्टॉक तथा इन्वेस्टमेंट्स के प्रबंधन में रुचि है, तो आपको सीएस प्रोग्राम करना चाहिए। कंपनी सेक्रेटरी किसी कंपनी और उसके शेयरधारकों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करते हैं और कंपनी के स्टॉक ट्रेडिंग की औपचारिकताओं को संभालते हैं।

स्टॉक ब्रोकिंग

कॉमर्स में ग्रेजुएशन करने के बाद एक और आकर्षक करियर ऑप्शन है स्टॉक ब्रोकिंग का। अगर आपमें शेयरों की पैनी समझ है, तो ब्रोकर के रूप में आप अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। इसके मूलभूत प्रशिक्षण के लिए आप कोई स्टॉक ब्रोकिंग कोर्स जॉइन कर सकते हैं, जहां आपको व्यक्तियों तथा संस्थानों की ओर से शेयरों की खरीदी-बिक्री के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एमबीए फाइनेंस

एमबीए फाइनेंस बीकॉम कर चुके विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सबसे आकर्षक अकेडेमिक ऑप्शंस में से एक है। फाइनेंस में स्पेशलाइजेशन के साथ एमबीए की डिग्री लेकर आप किसी भी प्रतिष्ठित संस्थान में उच्च पद पर अपना करियर शुरू कर सकते हैं।

बैंकिंग व बीमा

बीकॉम के बाद बैंकिंग तथा बीमा के क्षेत्र में भी पढ़ाई कर करियर बनाया जा सकता है। पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर ऐसे स्पेशलाइज्ड अकेडेमिक प्रोग्राम हैं, जो विद्यार्थियों को इन क्षेत्रों की बेसिक्स का प्रशिक्षण देते हैं। इनमें प्रमुख हैं बैंकिंग एंड इंश्योरेंस में स्पेशलाइजेशन के साथ एमकॉम, बैंकिंग में स्पेशलाइजेशन के साथ एमबीए, इंश्योरेंस में स्पेशलाइजेशन के साथ एमबीए आदि। बैंकिंग और बीमा से जुड़े अधिकांश पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के प्रोग्राम्स में सब-स्पेशलाइजेशन के भी कई विकल्प होते हैं।

मार्केटिंग

आम तौर पर मार्केटिंग को 'जनरलिस्ट'' फील्ड समझा जाता है, जिसमें किसी भी पृष्ठभूमि के विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। यह बात अपनी जगह सही है लेकिन जब बात एमबीए इन मार्केटिंग या पीजीडीएम इन मार्केटिंग जैसे प्रोग्राम की होती है, तो बीकॉम कर चुके विद्यार्थी निश्चित ही फायदे में होते हैं। कारण यह कि मार्केटिंग मैनेजमेंट मुख्य रूप से न्यूमेरिकल व एनालिटिकल डेटा पर निर्भर करता है, जिसे प्रोसेस करके मार्केटिंग कैंपेन के लिए रूपरेखा तैयार की जाती है। चूंकि बीकॉम ग्रेजुएट्स पहले ही किसी डेटा को परखने के लिए बेसिक एनालिटिकल एप्टिट्यूड तथा लॉजिकल मैथडोलॉजी से लैस हो चुके होते हैं, सो एमबीए मार्केटिंग करना उनके लिए आसान हो जाता है।

लॉ

वैसे तो आपको कई लोग मिल जाएंगे, जो लॉ के क्षेत्र में करियर को बीकॉम के विद्यार्थियों के लिए आदर्श नहीं मानेंगे लेकिन पढ़ने और करियर बनाने के लिए यह एक बेहतरीन फील्ड है। आप लॉ की किसी भी फील्ड में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। बिजनेस लॉ की फील्ड में स्पेशलाइजेशन करने में आपकी बीकॉम की पृष्ठभूमि बड़े काम आएगी। या फिर, यदि आपकी रुचि हो, जो आप एकेडमिक लॉ अथवा जनरल लॉ में भी स्पेशलाइज कर सकते हैं।

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग

इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी भारतीय अर्थव्यवस्था ही नहीं, ग्लोबल अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से बढ़ता सेक्टर है। बीकॉम करने के बाद जो विद्यार्थी इस फील्ड में मौजूद अवसरों को भुनाना चाहते हैं, वे एमसीए या एमएससी आईटी करके ऐसा कर सकते हैं। हालांकि ये कोर्स कराने वाले अधिकांश कॉलेज साइंस ग्रेजुएट्स को ही इनमें प्रवेश देते हैं लेकिन कुछ कॉलेज मैथ्स में उत्कृष्ट परफॉर्म करने वाले कॉमर्स ग्रेजुएट्स को भी प्रवेश दे देते हैं। हालांकि यह आपको ठोस कॉमर्स के क्षेत्र से दूर ले जाएगा लेकिन यदि आपको इन फील्ड्स में गहरी रुचि है, तो आपको इस ओर भी गौर जरूर करना चाहिए।

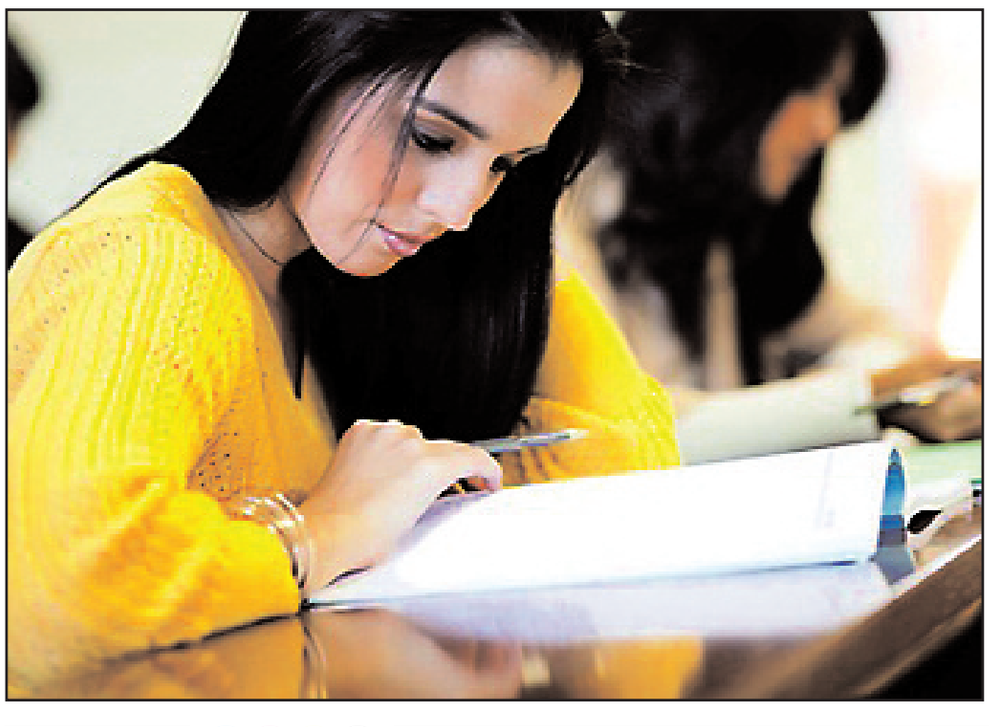

चाहते हैं बेहतर प्लेसमेंट तो इन चीजों को फॉलो

आज दुनिया की लगभग हर बड़ी कंपनी भारत के बाजार को उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। सभी को भारत का विशाल बाजार आकर्षित कर रहा है। यहां के महानगरों से लेकर छोटे शहरों, कस्बों और यहां तक कि गांवों में भी उन्हें बेशुमार संभावनाएं नजर आ रही हैं। भारतीय कंपनियां हों या विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियां, सभी यहां अपना प्रसार कर रही हैं।

जाहिर है, जब कंपनियों का शहरों से लेकर गांवों तक में प्रसार होगा, तो उन्हें हर स्तर पर तकनीकी और गैर-तकनीकी स्टाफ की जरूरत होगी। यह संख्या हजारों-लाखों में हो सकती है। यह भी कहा जा सकता है कि टियर-2 व टियर-3 शहरों की ओर बढ़ने के कारण इन जगहों के युवाओं के सामने बेशुमार बनाएं होंगी। ये अवसर प्रमुख रूप से रिटेल, आईटी, बैंकिंग, फाइनेंस, टेलीकम्युनिकेशंस, ई-कॉमर्स, मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, हाउसकीपिंग, हॉस्पिटैलिटी, मेडिकल, ट्रांसपोर्ट, कंस्ट्रक्शन आदि में सामने आ सकते हैं।

नजरिया को व्यवहारिक

जो अवसर सामने आएंगे, उनमें नौकरी सिर्फ चाहने या सपने देख लेने मात्र से नहीं मिल सकती। इसके लिए आपको इन सभी में से अपनी रुचि का क्षेत्र तलाशना होगा और फिर उसके मुताबिक स्किल डेवलप करनी होगी। यह सोचकर मुगालते में न रहें कि आपने आईटी, सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स या किसी और टेक्निकल ब्रांच से डिप्लोमा या इंजीनियरिंग का कोर्स कर लिया है, तो सिर्फ इसी के आधार पर आपको जॉब मिल जाएगी। परीक्षा पास कर लेने या डिग्री हासिल कर लेने भर से दावा पक्का नहीं हो जाता। आज के दौर में कंपनियां उन्हीं को प्राथमिकता के आधार पर जॉब ऑफर करना चाहती हैं, जो कंपनी की व्यवहारिक जरूरतों के प्रति जागरूक होते हैं और उनमें इतना आत्मविश्वास होता है कि वे कंपनी द्वारा दिए गए हर तरह के असाइनमेंट को बेहतर तरीके से पूरा करते हुए अपना बेस्ट आउटपुट दे सकते हैं।

क्या परखते हैं एक्सपर्ट

अगर कोई कंपनी आपके कॉलेज/यूनिवर्सिटी में प्लेसमेंट के लिए आ रही है, तो उसके एक्सपर्ट सिर्फ यह नहीं देखते कि आपने परीक्षा में कितने अंक लाए हैं। दरअसल, वे अपनी पारखी नजरों से आपका एटिट्यूड परखते हैं। उनका नजरिया एकेडेमिक से कहीं ज्यादा साइकोलॉजिकल होता है। किसी उम्मीदवार को चुनते समय वे यह जरूर देखते हैं कि वह उनकी कंपनी के लिए किस तरह उपयोगी हो सकता है उसकी सोच में कितनी गहराई है उसमें काम को लेकर कितनी लगन और सक्षमता है भविष्य को लेकर वह कितना दूरदर्शी है इन सब के अलावा, यह भी परखा जाता है कि उम्मीदवार कितना आत्मविश्वास से भरा है। अगर सक्षम होते हुए भी किसी उम्मीदवार में आत्मविश्वास की कमी दिखती है, तो वह अवसर चूक सकता है।

स्किल पर फोकस

आपने अपनी रुचि/पसंद के करियर के लिए जो भी क्षेत्र/कोर्स चुना है, उसमें सिर्फ एकेडेमिक उपलब्धि हासिल करके ही आत्ममुग्ध न हो जाएं। परीक्षा में अधकि से अधकि अंक लाना तो जरूरी है ही, मगर बदलते वक्त के अनुसार भरपूर प्रेक्टिकल नॉलेज भी जरूर हासिल करें।

चुनें सही दिशा

सवाल यह भी है कि क्या जो ज्यादातर लोग सीख और कर रहे हैं, आप भी उन्हीं जैसा करें! बिल्कुल नहीं। सबसे पहले तो आप अपनी पसंद को जानें-समझें। आपके पैरेंट्स/ गार्जियंस आपकी इच्छा के विपरीत कोई कोर्स करने का दबाव डाल रहे हैं, तो आप बिना दबाव में आए उन्हें प्यार से समझाएं कि आपको किस फील्ड में काम करके खुशी मिल सकती है। प्रयास करने पर वे जरूर कनविंस होंगे, क्योंकि आखिरकार वे भी तो हर हाल में आपकी खुशी ही चाहते हैं!

न्यूज इन शॉर्ट

पक्की छत ने बदली हनीफ बेग के परिवार की जिंदगी

रायपुर। बलौदाबाज़ार के नगर पंचायत रोहांसी के वार्ड क्रमांक 14 निवासी हनीफ बेग का वर्षों पुराना पक्के मकान का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत साकार हुआ है। पहले कच्चे मकान में रहने के दौरान उन्हें और उनके परिवार को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बारिश के दिनों में घर में पानी आने के साथ ही कीड़े-मकोड़े, चूहे, सांप और बिच्छू जैसे जीवों का डर भी बना रहता था।हर साल बारिश के मौसम में घर की मरम्मत करवाने पर काफी खर्च हो जाता था। निम्न आय वर्ग से होने के कारण बार-बार होने वाला यह अतिरिक्त खर्च परिवार के लिए परेशानी का सबब बनता था। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत होना उनके लिए नई उम्मीद लेकर आया।योजना के तहत पक्का मकान बनने के बाद अब हनीफ बेग का परिवार सुरक्षित और बेहतर आवास में सुकून से रह रहा है। पक्की छत ने उन्हें बारिश और खराब मौसम से होने वाली परेशानियों से राहत दी है। इसके साथ ही अपने पक्के घर का सपना पूरा होने से परिवार के आत्मसम्मान में भी वृद्धि हुई है।

हनीफ बेग कहते हैं कि पहले हर बारिश के मौसम में घर को लेकर चिंता बनी रहती थी, लेकिन अब पक्की छत के साथ परिवार को सुरक्षा और स्थायित्व का एहसास होता है। अपने जीवन में आए इस सकारात्मक बदलाव के लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है।

बेमेतरा जिले में सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 28.49 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर। जल संसाधन विभाग द्वारा स्वीकृत सिंचाई योजनाओं में बेमेतरा जिले के दनिया उद्वहन सिंचाई योजना के विस्तारीकरण कार्य के लिए 3 करोड़ 64 लाख 92 हजार रूपए स्वीकृत किए गए हैं। योजना के कार्य पूर्ण होने से 254 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। धनेली जलाशय के शीर्ष कार्य बण्डपार मुरूमीकरण तथा नहर का रिमाडलिंग एवं लाईनिंग तथा पक्के कार्य के लिए 4 करोड़ 92 लाख 92 हजार रूपए स्वीकृत किए गए हैं। योजना के कार्य पूर्ण होने से 65 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। हरदी भिभौरी जलाशय का जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 97 लाख 65 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्य पूर्ण होने से 344 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। छिरहा एनीकट के निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 98 करोड़ 57 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। योजना के कार्य पूर्ण होने से 50 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। टेगना व्यपवर्तन का जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 98 लाख 29 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्य पूर्ण होने से 150 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। टेमरी उद्वहन सिंचाई योजना लाईनिंग कार्य का मरम्मत तथा शेष मुख्य नहर एवं 5 माईनरों रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 97 लाख 46 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्य पूर्ण होने से 473 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी।

शराब पीकर चला रहा था वाहन, कोर्ट ने लगाया 10 हजार का जुर्माना

बलौदाबाजार-भाटापारा। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में हथबंद पुलिस ने चेकिंग के दौरान ब्रेथ एनालाइजर की मदद से एक वाहन चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़ा। पुलिस ने वाहन जब्त कर चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए प्रकरण न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने 22 सितंबर 2026 को वाहन चालक पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लखपति दीदी पहल से मिली नई उड़ान, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में निधि बनी लखपति दीदी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

लगन, मेहनत और सही अवसर मिल जाए तो ग्रामीण महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर सकती हैं। पेण्ड्रा विकासखंड के ग्राम अमरपुर की श्रीमती निधि तिवारी की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है। पशुपालन और सब्जी बाड़ी के जरिए उन्होंने अपनी आय के नए स्रोत विकसित किए और अब उनकी वार्षिक आय करीब ढाई लाख रुपये तक पहुंच गई है।

श्रीमती निधि तिवारी जून 2023 से दीप महिला स्व सहायता समूह से जुड़ी हैं और वर्तमान में समूह की अध्यक्ष हैं। स्व सहायता समूह से जुड़ने के महज तीन महीने बाद उन्होंने

चक्रिय निधि (आरएफ) से प्राप्त 10 हजार रुपये की सहायता से जर्सी नस्ल की गाय खरीदी। उनकी गाय से प्रतिदिन लगभग 15 लीटर दूध का उत्पादन होता है, जिससे उन्हें नियमित आय का स्रोत मिला।

इसके छह महीने बाद निधि को सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) से 60 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई। उन्होंने इस राशि में अपनी बचत और अन्य संसाधन जोड़कर सब्जी बाड़ी का काम शुरू किया। इसके बाद उन्होंने मौसम के अनुसार अलग-अलग सब्जियों की खेती को अपनी आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बनाया।

टमाटर की खेती से बढ़ी आमदनी

निधि तिवारी ने मार्च माह में अपने खेत में टमाटर की फसल लगाई। फसल तैयार होने के बाद उन्होंने टमाटर की बिक्री शुरू की। उन्हें लगभग 40 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेचकर अच्छी आमदनी हो रही है। पशुपालन के साथ सब्जी उत्पादन ने उनकी आय को विविध बनाया और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद की।

निधि बताती हैं कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ने के बाद उन्हें अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता, समूह का सहयोग और नई दिशा मिली। उन्होंने कहा कि आज वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के साथ अपने सपनों को भी आगे बढ़ा पा रही हैं।

महिला स्व सहायता समूहों से आजीविका को मिल रहा आधार

निधि तिवारी का अनुभव उस व्यापक ग्रामीण आजीविका ढांचे से जुड़ा है, जिसमें स्व सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को वित्तीय समावेशन, कौशल, आजीविका और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाता है। केंद्र सरकार का दीनदयाल अंत्योदय स्व सहायता समूहों से संगठित करता है।

प्रधानमंत्री के विजन से गांवों तक पहुंची आवास की सौगात, शांति बाई का बदला जीवन

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण परिवारों को मिल रहा सुरक्षा और सम्मान

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के विकासखंड गौरेला की ग्राम पंचायत धनौली निवासी श्रीमती शांति बाई के लिए पक्का घर केवल एक मकान नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत है। कभी मिट्टी के कच्चे घर में बारिश के दिनों की चिंता के बीच जीवन बिताने वाली शांति बाई आज अपने पक्के और सुरक्षित आशियाने में सुकून के साथ जीवन व्यतीत कर रही हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत शांति बाई के परिवार को पक्का आवास उपलब्ध हुआ। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराना है। छत्तीसगढ़ में भी केंद्र और राज्य स्तर की योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

शांति बाई के लिए बदली जिंदगी की तस्वीर

शांति बाई बताती हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। बारिश का मौसम शुरू होते ही घर की सुरक्षा और परिवार की चिंता बढ़ जाती थी। घर के आसपास कीचड़ और पानी जमा होने से रोजमर्रा के काम प्रभावित होते थे। कच्चे घर में रहने के दौरान हर बारिश एक नई परेशानी लेकर आती थी।प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलने के बाद उनकी जिंदगी में यह स्थिति बदल गई है। मजबूत दीवारों और सुरक्षित छत वाले नए घर ने परिवार को मौसम की चिंता से काफी राहत दी है। अपने नए आशियाने को देखकर शांति बाई के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ दिखाई देती है।

प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन से जुड़ा प्रयास

शांति बाई के जीवन में आया यह बदलाव केंद्र सरकार की ग्रामीण आवास संबंधी योजनाओं के उस व्यापक उद्देश्य से जुड़ा है, जिसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को आवासीय सुरक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाता है। उनके मामले में आवास की सुविधा के साथ सामाजिक सुरक्षा के रूप में विधवा पेंशन का लाभ भी मिल रहा है, जिससे उन्हें नियमित आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है।

शांति बाई कहती हैं कि पक्का घर मिलने से परिवार को सुरक्षा और सुविधा मिली है। पेंशन की सहायता से

घर के जरूरी खर्चों में भी मदद मिलती है। उनके अनुसार आवास और पेंशन, दोनों का लाभ उनके लिए जीवन को अधिक सुरक्षित बनाने वाला सहयोग साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार केंद्र एवं राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर दे रही है। ग्रामीण परिवारों के जीवन में आवास, सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार इसी समग्र कल्याणकारी दृष्टिकोण का हिस्सा है। शांति बाई का अनुभव इस बात का उदाहरण है कि किसी परिवार के लिए पक्का घर मिलने से केवल रहने की जगह नहीं बदलती, बल्कि सुरक्षा, सुविधा और भविष्य को लेकर विश्वास भी मजबूत होता है।

अब बारिश में घर की चिंता नहीं रहती

शांति बाई अपने अनुभव साझा करते हुए कहती हैं कि पहले बारिश के दिनों में कच्चे घर को लेकर चिंता बनी रहती थी। अब पक्का घर मिलने के बाद परिवार सुरक्षित महसूस करता है। वे आवास योजना का लाभ मिलने और पेंशन से आर्थिक सहायता प्राप्त होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करती हैं।

शांति बाई की कहानी ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के माध्यम से जीवन में आने वाले बदलाव की एक व्यक्तिगत मिसाल है। पक्का आवास उनके परिवार को मौसम की कठिनाइयों से राहत देने के साथ सुरक्षित जीवन का आधार उपलब्ध करा रहा है, वहीं विधवा पेंशन उन्हें

11 किमी की राह पार कर लोहागांव पहुंची स्वास्थ्य टीम, 62 ग्रामीणों की जांच

संवाददाता ➤ रायपुर

11 किमी की राह पार कर लोहागांव पहुंची स्वास्थ्य टीम, 62 ग्रामीणों की जांच

गर्भवती महिला समेत 4 गंभीर मरीजों की पहचान, तत्काल किया रेफर; कुआकोंडा के दुर्गम गांव में

पहली बार पहुंची समग्र स्वास्थ्य जांच की सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बैलाडीला की पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच बसे लोहागांव में जब स्वास्थ्य टीम पहुंची तो ग्रामीणों के लिए गांव में ही समग्र स्वास्थ्य जांच की सुविधा पहली बार पहुंची थी। स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना जहां आसान नहीं, वहां स्वास्थ्य विभाग की

टीम करीब 11 किलोमीटर पैदल चलकर गांव पहुंची और 62 ग्रामीणों की जांच की। जांच के दौरान एक गर्भवती महिला समेत 4 गंभीर मरीजों की पहचान हुई, जिन्हें तत्काल उच्च स्वास्थ्य संस्था में उपचार के लिए रेफर किया गया।मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत पहुंची टीम ने गांव में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य जांच की। मलेरिया और सिकल सेल की जांच के साथ मोतियाबिंद और कुष्ठ रोग के संभावित मरीजों की पहचान की गई। गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच और बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। जांच के दौरान एक गर्भवती महिला, एक मोतियाबिंद मरीज और दो मलेरिया पॉजिटिव मरीजों की स्थिति गंभीर पाई गई। समय रहते पहचान जिला अस्पताल रेफर किया गया।

छत्तीसगढ़ ट्रेवल एंड टूरिज्म एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल से की सौजन्य भेंट

विश्व पर्यटन दिवस समारोह के लिए किया आमंत्रित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटन गतिविधियों के विस्तार और प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को देश-दुनिया के मानचित्र पर और अधिक प्रभावी ढंग से स्थापित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ ट्रेवल एंड टूरिज्म एसोसिएशन (ब्ज्ञ) के प्रतिनिधिमंडल ने आज पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने श्री अग्रवाल को 27 सितंबर को आयोजित होने वाले विश्व पर्यटन दिवस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया और कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल ने श्री राजेश अग्रवाल के साथ छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटकों के लिए सुविधाओं के विस्तार,

पर्यटन स्थलों के प्रभावी प्रचार-प्रसार तथा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों की सहभागिता बढ़ाने से संबंधित विभिन्न सुझाव भी साझा किए गए।

श्री राजेश अग्रवाल ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से पर्यटन क्षेत्र के विकास को लेकर विचार-विमर्श करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक और जनजातीय पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश के पर्यटन स्थलों को बेहतर सुविधाओं, प्रभावी प्रचार-प्रसार और निजी क्षेत्र की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से देश-विदेश के पर्यटकों के बीच और अधिक लोकप्रिय बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल भ्रमण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। पर्यटन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय युवाओं, महिलाओं, कारीगरों, कलाकारों, होम-स्टे संचालकों और उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

लखपति महिला पहल की राज्य स्तरीय स्टीयरिंग समिति की तृतीय बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ में 13.96 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' द्वारा संचालित लखपति महिला पहल को प्रदेश में उल्लेखनीय सफलता मिली है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2023-26 के लिए छत्तीसगढ़ को 7.82 लाख ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध अब तक प्रदेश की 13.96 लाख ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाकर आत्मनिर्भर बनाया गया है। यह निर्धारित लक्ष्य का 179 प्रतिशत है।

लखपति महिला पहल की राज्य स्तरीय स्टीयरिंग समिति की तृतीय बैठक मंगलवार को नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री भीम सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राज्य के 27 विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के मिशन संचालक श्री अश्वनी देवांगन ने लखपति महिला पहल के अंतर्गत प्रदेश में संचालित गतिविधियों और अब तक हुई प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

विभागीय अभिसरण से महिलाओं की आय बढ़ाने पर जोर

बैठक में विभिन्न विभागों के साथ अभिसरण के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि करने तथा उन्हें स्थायी आजीविका के अवसरों से जोड़ने पर विस्तृत चर्चा हुई। महिलाओं को विभिन्न आर्थिक गतिविधियों, स्वरोजगार और आजीविका के स्थायी साधनों से जोड़कर उनकी वार्षिक आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के प्रयासों को और गति देने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

लखपति महिला पहल का उद्देश्य ग्रामीण स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विविध आजीविका गतिविधियों से उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन से गांवों तक पहुंची आवास की सौगात, शांति बाई का बदला जीवन

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के विकासखंड गौरेला की ग्राम पंचायत धनौली निवासी श्रीमती शांति बाई के लिए पक्का घर केवल एक मकान नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत है। कभी मिट्टी के कच्चे घर में बारिश के दिनों की चिंता के बीच जीवन बिताने वाली शांति बाई आज अपने पक्के और सुरक्षित आशियाने में सुकून के साथ जीवन व्यतीत कर रही हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत शांति बाई के परिवार को पक्का आवास उपलब्ध हुआ। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराना है। छत्तीसगढ़ में भी केंद्र और राज्य स्तर की योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।शांति बाई बताती हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। बारिश का मौसम शुरू होते ही घर की सुरक्षा और परिवार की चिंता बढ़ जाती थी। घर के आसपास कीचड़ और पानी जमा होने से रोजमर्रा के काम प्रभावित होते थे। कच्चे घर में रहने के दौरान हर बारिश एक नई परेशानी लेकर आती थी।प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलने के बाद उनकी जिंदगी में यह स्थिति बदल गई है। मजबूत दीवारों और सुरक्षित छत वाले नए घर ने परिवार को मौसम की चिंता से काफी राहत दी है।और खुशी साफ दिखाई देती है।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।